

ARBIT



DEDICATION, STRATEGIC ACUMEN, AND LEADERSHIP

What worried the Indian planners most was the potential threat to the Srinagar-Leh highway near Kargil, as the Pakistani Posts between Zojila and Haniskot overlooked it

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

Rashtradoot

Meet Codex: OpenAI's Code, Cracking AI That Works Like a Teammate

epaper.rashtradoot.com

थरूर विवाद पीछा नहीं छोड़ रहा, कांग्रेस का केरल में विवाद की जड़, पीढ़ी परिवर्तन भी लगती है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 24 मई। भारत-पाक सीमा पर तनाव फिलहाल के लिए स्थिर नज़र आ रहा है, लेकिन कांग्रेस पार्टी के शशि थरूर द्वारा मोदी सरकार के एक आउटरीच मिशन के निमंत्रण को तुरंत स्वीकार किए जाने को लेकर कांग्रेस पार्टी में एक राजनीतिक तूफान उठ खड़ा हुआ है। थरूर के इस कदम से पार्टी में उनके भविष्य को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं, खासकर केरल और दिल्ली में, जहाँ यह चर्चा ज़ोरों पर है कि वे केन्द्र की भाजपा सरकार के साथ किसी संभावित समीकरण की दिशा में बढ़ रहे हैं।
तथापि, थरूर के समर्थक उनके बचाव में उतर आए हैं। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष के. सुधाकरन ने सार्वजनिक रूप से थरूर का समर्थन किया और थरूर का नाम पार्टी प्रतिनिधियों की आधिकारिक सूची से हटाने को लेकर कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की। सुधाकरन ने कहा, “थरूर ने हमेशा राष्ट्रीय हित में काम किया है और उन्हें दरकिनार करना अन्यायपूर्ण है।” उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी को ऐसे नेताओं को अलग-थलग नहीं करना चाहिए, जिनके पास जन समर्थन और अंतरराष्ट्रीय पहचान है।
इस मामले ने कांग्रेस की केरल

- पुरानी पीढ़ी के नेता थरूर के वक्तव्यों को, पार्टी के परम्परागत, “कमांड स्ट्रक्चर” को चुनौती मानते हैं और पार्टी की एकता को चुनौती करार देते हैं।
- पर, नई पीढ़ी के नेता थरूर के आकर्षण को एक “एसैट” (ताकत) मानते हैं।
- केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष के. सुधाकरण का मत है, “कांग्रेस के हाईकमान ने गलती की, थरूर का नाम अपनी लिस्ट में नहीं दिया, जो उन्होंने सरकार को सौंपी थी, पार्टी के प्रतिनिधि के चयन के लिए। थरूर ने सदा देश के हित को ध्यान में रखकर काम किया है। अतः उनका नाम नहीं देना, थरूर के साथ अन्याय था।
- दूसरी ओर केरल कांग्रेस के अधिकांश परम्परावादी नेता मानते हैं कि थरूर का बार-बार मोदी व उनकी नीतियों की बढ़ाई करना, पार्टी के भाजपा के विरुद्ध एक “युनाइटेड फ्रंट” पेश करने के प्लान को कमज़ोर करता है।
- एक वरिष्ठ नेता, अपना नाम न देने की शर्त पर बोले कि बिहार के चुनाव की दृष्टि से बनाई गई पार्टी की रणनीति का आधार, मोदी की छवि को चुनौती देना है। विशेषकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब मोदी ऑपरेशन सिंदूर को चुनाव का मुख्य मुद्दा बनाना चाहते हैं।
- मोदी बार-बार राहुल गांधी का मखौल बनाते हैं. केन्द्रीय सरकार के ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने की वजह से। इस मौके पर थरूर का सरकार की नीति से जुड़ना, भाजपा के हाथों में खेलना है।

इकाई के भीतर बढ़ती फूट को उजागर किया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी. डी. सतीसन ने टिप्पणी करते हुए कहा, “यह मामला पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा सुलझाया जाना चाहिए। आंतरिक

मतभेदों को सही मंचों पर हल करना आवश्यक है।”
पार्टी के भीतर के सूत्रों का कहना है कि केरल में कांग्रेस के एक बड़े वर्ग को थरूर द्वारा बार-बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार की नीतियों की

सार्वजनिक सराहना से नाराज़गी है। उनका मानना ​​है कि इस तरह की गतिविधियाँ भाजपा के खिलाफ कांग्रेस की एकजुट रणनीति को कमज़ोर करती हैं। एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने, नाम न (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दोनों देशों ने ऑपरेशन पहलगाम के मुख्य “नायकों” को सम्मानित किया

पाकिस्तान ने जनरल असीम मुनीर को “फील्ड मार्शल” बनाया। भारत ने आईबी चीफ को एक साल का “एक्सटेंशन” दिया

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -
नई दिल्ली, 24 मई। युद्ध मानवता के लिए सदैव नुकसानदायक ही रहा है। भारत और पाकिस्तान - दोनों ही पहलगाम हमले के बाद चार दिन चले संघर्ष में अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं।
इस बीच, आईबी चीफ तपन डेका को मोदी सरकार ने 1 वर्ष का सेवा-विस्तार (एक्स्टेंशन) दे दिया है, जबकि कुछ लोग उन पर पहलगाम-नरसंहार में खुफिया तंत्र की असफलता का दोषारोपण कर रहे हैं। उन्हें एक्स्टेंशन का यह पुरस्कार दूसरी बार दिया गया है और इस प्रकार वे इंटेलिजेंस ब्यूरो (आई बी) के सबसे ज्यादा लम्बे समय तक रहने वाले निदेशक बन गये हैं।
उधर, पाकिस्तान ने ऑपरेशन

सिंदूर के बाद हुई पाकिस्तान की शर्मनाक स्थिति के बाद, जनरल आसिम मुनीर को पदोन्नत कर दिया है। जिन्हें बर्खास्त किया जाना चाहिए था, वे पदोन्नत कर दिये गये हैं।
डेका के एक्स्टेंशन के लिए सिफारिश करने वाले लोग बार-बार यह कहते रहे हैं कि तपन कुमार डेका क्रॉस-बॉर्डर टैरिज्म के विशेषज्ञ हैं, उन्हें कश्मीर का लम्बा अनुभव है तथा पहलगाम आतंकी हमले के बाद की परिस्थिति में उनकी सेवाएं बहुत ज्यादा जरूरी हैं। लेकिन डेका के आलोचकों का कहना है कि आतंकवाद के एक ऐसे विशेषज्ञ, जिन्हें कश्मीर के आतंकी स्थलों की गहन जानकारी एवं समझ है, के होते हुए पहलगाम में इतना घातक नरसंहार कैसे हो गया?
ये लोग यह आरोप भी लगा रहे हैं कि डेका उन 26 निर्दोष लोगों की मौतों

के लिए सीधे जवाबदेह हैं, जिन्हें सीमा-पार के आतंकियों ने नृशंसतापूर्वक गोलीयों से उड़ा दिया। ये हत्यारे जबरदस्त संरक्षित नियंत्रण रेखा को पार कर पाकिस्तान से भारत में आखिर घुस कैसे आये, यही नहीं, उन्होंने भारत-भूमि पर करीब 200 किलोमीटर की दूरी भी तय करली, और तपन डेका नामक इस तथाकथित सुपर स्पाई की सीधी देख-रेख में काम कर रहे दुर्जय बल को उनके बारे में पता नहीं चला?
पहलगाम दुखान्तिका के एक महीने बाद भी, भारतीय जमीन पर मौजूद वे पाकिस्तानी आतंकी दूढ़े नहीं जा सके हैं। क्या यह एक बहुत ही बड़े स्तर एवं आकार की लापरवाही, अक्षमता नहीं है, जिसकी कीमत 26 निर्दोष भारतीयों ने अपनी जान देकर चुकाई है?

गाँव को नगर पालिका की सीमा से बाहर करने का आदेश स्थगित

जयपुर, 24 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के गत 27 मार्च के उस आदेश को स्थगित कर दिया है, जिसके तहत राजस्व ग्राम तोड़िया का बास को बानसूर नगर पालिका की सीमा से बाहर किया गया था। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में प्रमुख स्वायत्त

- हाईकोर्ट में पेश याचिका के अनुसार नगर पालिका की सीमा में शामिल ग्राम को सीमा से बाहर करने की शक्ति नगर पालिका अधिनियम में नहीं है।

शासन सचिव, डीएलबी निदेशक, पंचायती राज सचिव, कोटपूतली-बहेरोड कलेक्टर और नगर पालिका बानसूर सहित, अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनिल उमपन की एकलपीठ ने ये आदेश स्थानीय निवासी बंसी राम व अन्य की निर्दोष भारतीयों ने अपनी जान देकर चुकाई है?

‘विकसित राजस्थान 2047 का विज़न डॉक्युमेंट तैयार हो रहा है’ मुख्यमंत्री भजनलाल ने नीति आयोग में जल व ऊर्जा सुरक्षा के लिए अधिक सहयोग का अनुरोध किया

जयपुर, 24 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने सेवारत कोटे में मेडिकल पीजी डिप्लोमा कर रहे प्रार्थी का ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन नहीं करने पर प्रमुख चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सचिव और निदेशक, नेशनल बोर्ड ऑफ एजाम सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन ने ये आदेश डॉ. संजय

- हाईकोर्ट ने प्रमुख चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सचिव तथा निदेशक नेशनल बोर्ड ऑफ एजाम से जवाब मांगा।

शर्मा की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता ने इन सर्विस अभ्यर्थी के तौर पर साल 2023 में नीट पीजी परीक्षा दी थी। उसे मेरिट में आने पर काउंसिलिंग के जरिए अक्टूबर 2023 में राजकीय सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नई दिल्ली/जयपुर, 24 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को नई दिल्ली के भारतमंडपम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद की दसवीं बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक में विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से चर्चा की और प्रदेश में जल और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र सरकार से अधिक सहयोग का भी अनुरोध किया।
बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार विकसित राजस्थान का लक्ष्य हासिल करने के लिए हर पहलू पर तेजी से काम कर रही है। इसी दिशा में आर्थिक समृद्धि, सतत विकास और समावेशी प्रगति को केन्द्र में रखते हुए नीति आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ‘विकसित राजस्थान 2047’

- मुख्यमंत्री ने ऊर्जा सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए बैट्री स्टोरेज के लिए 5000 मेगावाॉट आवर का अतिरिक्त लक्ष्य आवंटित करने तथा 40 गीगावाॉट अतिरिक्त ऊर्जा के इवेक्युएशन हेतु प्लान तत्काल बनाने का अनुरोध किया।
- उन्होंने कहा कि पौंग बांध में पूर्ण क्षमता तक जल भराव के लिए शीघ्र निर्णय लिया जाये तथा 51.5 किलोमीटर लम्बी फिरोजपुर फीडर की लाइनिंग के लिए स्वीकृति प्रदान की जाये।

विज़न डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। उन्होंने रामजल सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते को मूर्त रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये जल परियोजनाएँ विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगी।
मुख्यमंत्री ने बैठक में केन्द्र सरकार

से अनुरोध करते हुए कहा कि पौंग बांध की कुल भराव क्षमता 1400 फीट ऊंचाई तक अनुमत है, लेकिन पर्याप्त वर्षा के दौरान भी इस बांध में अधिकतम सीमा तक जल भराव नहीं किया जा रहा है। पौंग बांध को पूर्ण क्षमता तक जल भराव करने के संबंध में शीघ्र निर्णय लिया जाए, जिससे भागीदार राज्यों को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की दसवीं बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने राजस्थान से जुड़े मुद्दों और मांगों को रखा।

जयपुर, 24 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि साइबर ठगी के मामले में उपभोक्ता के पूरे बैंक खाते को फ्रीज करने के बजाए खाते में आई विवादित राशि को ही फ्रीज किया जाना चाहिए। इसके साथ, ही अदालत ने आईसीआईसीआई बैंक को निर्देश दिए

- हाईकोर्ट ने आई.सी.आई.सी.अ।ई. बैंक को याचिकाकर्ता के बैंक खाते को डीफ्रीज़ करने के निर्देश दिये।

है कि वह याचिकाकर्ता के बैंक खाते को डीफ्रीज़ करे और सिर्फ खाते में आए विवादित 55,141 रुपये की फ्रीज करे। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता जांच में बैंक और अनुसंधान अधिकारी का सहयोग करें। वहीं, जांच लंबित रहने के दौरान खाते को बंद भी नहीं किया जाए। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म : दो अभियुक्तों को 20 साल की सजा

जयपुर, 24 मई। ज़िले की पाँक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग किशोरी से तीन साल के अन्दर दुष्कर्म करने वाले दो अभियुक्त दीपक और जगदीश को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर कुल पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी केसी अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि एक अभियुक्त ने पीड़िता से दुष्कर्म कर उसे गर्भवती किया और दूसरा उससे तीन साल पहले दुष्कर्म कर चुका था। यौन अपराध का बाल मन पर गहरा असर होता है। ऐसे

- पाँक्सो मामलों की विशेष अदालत ने सांभर लेक के मामले में निर्णय सुनाया।

में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 12 फरवरी, 2022 को सांभर लेक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसके 17.5 साल की बेटी पिछले कुछ माह से गुमसुम रहने लगी और उसका शरीर भी भारी लग रहा था। इसके साथ ही वह बार-बार उल्टियाँ भी कर रही थी। ऐसे में उसने अपनी भाभी के जरिए पुछवाया तो पीड़िता ने बताया कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ है। पीड़िता ने कहा कि करीब तीन साल पहले जब वह पशु चरा रही थी तो जगदीश ने उसके साथ दुष्कर्म (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हार्वर्ड युनिवर्सिटी को अस्थायी राहत मिली

अन्य देशों के विद्यार्थियों को एडमिशन न देने के ट्रम्प के आदेश पर अस्थायी प्रतिबंध लगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 24 मई। अंतरराष्ट्रीय छात्रों को शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में दाखिला देने पर अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए प्रतिबंध से हार्वर्ड विश्वविद्यालय को अस्थायी राहत मिल गई है। यह खबर वर्तमान वर्ष के लगभग 7,000 छात्रों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है, जो हार्वर्ड के विभिन्न कोर्स में पढ़ रहे हैं। इनमें लगभग 700 छात्र भारतीय हैं, जो अपने छात्र वीजा खोने और देश लौटने की आशंका से जूझ रहे थे।

हार्वार्ड विश्वविद्यालय और इसके अध्यक्ष के लिए यह एक तरह की जीत है, लेकिन युनिवर्सिटी और विदेशी छात्रों के लिए भविष्य की अनिश्चितता बरकरार है। संकेत मिल रहे हैं कि नए शैक्षणिक सत्र के लिए दाखिलों की संख्या में भारी गिरावट आई है।
चिंता यह भी है कि फिलहाल यह प्रयास विफल होने के बावजूद, ट्रंप प्रशासन अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए फिर से कोई नया आदेश ला सकता है। छात्र समुदाय का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई के बाद हार्वर्ड या अन्य अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जारी रखना कठिन हो सकता है।

- अब, युनिवर्सिटी व अन्य देशों के लगभग सात हजार विद्यार्थी, जो हार्वर्ड में पढ़ रहे थे या रिसर्च कर रहे थे, को तुरन्त वापस नहीं जाना पड़ेगा। इनमें 700 विद्यार्थी भारतीय हैं।
- हार्वर्ड में कई दशकों से कैसर पर रिसर्च चल रही है तथा मरीजों के सूत्र व खून के “सैंपल” प्रिज़र्व करके रखे गये हैं। ये सैंपल इस बीमारी पर रिसर्च करने के लिये अमूल्य निधि हैं। पर, इनको अशुद्ध न होने के लिये करोड़ों रुपए खर्च होते हैं।
- पर, अब हार्वर्ड की “फण्डिंग” कम कर देने से इन “सैंपल” का प्रिज़र्वेशन खतरे में पड़ जायेगा, जो मानव जाति के लिये असहनीय नुकसान होगा।
- दशकों पुराने इन सैंपल्स की कमी अब बहुत खलेगी, क्योंकि आधुनिक साधनों, जैसे ए.आई. से अब मौका मिला है मानव जाति के लिए अबूझ पहेली बनी, बीमारियों पर और गहराई से रिसर्च करने का।

कई छात्र हैरान और परेशान हैं कि हार्वर्ड में दाखिला लेना, जो जीवन भर का सपना होता है, शायद अब पूरा न हो पाए।
दाखिलों के अलावा, ट्रंप प्रशासन द्वारा शीर्ष अमेरिकी विश्वविद्यालयों के विरुद्ध उठाए गए अन्य कदम विज्ञान और वैज्ञानिक शोध परियोजनाओं के लिए बड़ा झटका साबित हो सकते हैं। इससे कुछ बुनियादी अनुसंधानों और विज्ञान के भविष्य को नुकसान होगा।
पूरी भारतवा के लिए बेहद अहम एक अध्ययन दांव पर है। हार्वर्ड (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

वह जो अपने प्रियजनों से अत्यधिक जुड़ा हुआ है। उसे चिंता और भय का सामना करना पड़ता है। क्योंकि सभी दुःखों कि जड़ लगाव है। इसलिए खुश रहने कि लिए लगाव छोड़ दीजिये। –चाणक्य सुविचार

व्याधिक्षमत्व क्या है?

लगभग 5000 वर्ष पूर्व की बात है। भगवान आत्रेय के शिष्य अग्निवेश ने अपने गुरु से एक प्रश्न किया: भगवन! देखने में आता है कि हितकारी आहार का उपयोग करते हुये भी कुछ लोग रोगी हो जाते हैं, जबकि अहितकारी आहार लेते हुये भी कुछ लोग निरोगी देखे जाते हैं। ऐसी स्थिति में क्या अच्छा है और क्या बुरा इसकी पहचान कैसे की जाये? इस प्रश्न का जो उत्तर आत्रेय ने दिया, वह आज भी यथावत विज्ञान-संगत है। आत्रेय का उत्तर था:—अग्निवेश! हितकारी आहार करने वाले लोगों में आहार के कारण होने वाले रोग उत्पन्न नहीं होते और हितकारी आहार लेने मात्र से समस्त रोगों का भय दूर नहीं हो जाता। हानिकारक भोजन के अलावा भी रोगों के तमाम कारण, जैसे ऋतुओं का विपरीत होना, प्रज्ञापराध या जानबूझकर गलती करना, शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध का अतियोग, मिथ्या योग एवं विषम योग आदि ऐसे कारण हैं जो उचित भोजन लेने के बावजूद भी मनुष्य को बीमार कर देते हैं। इसीलिये हितकारी आहार लेने वाले रोगी हो जाते देखे जाते हैं। हानिकारक आहार का उपयोग करने वालों में पथ्य, आहार, व शरीर की स्थिति में भिन्नता होने से हानिकारक आहार तुरन्त हानि नहीं पहुँचा पाते। सभी अपथ्य बराबर दोष वाले नहीं होते, न ही सभी दोष बराबर बलवान होते, और न सभी शरीर व्याधिक्षमत्व या रोग प्रतिरोधक क्षमता से संपन्न होते (न च सर्वाणि शरीराणि व्याधिक्षमत्वे समर्थानि भवन्ति। च.सू.28.7)। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि एक ही अपथ्य आहार जगह, समय, संयोग, वीर्य, व मात्रा की भिन्नता के कारण या ज्यादा खा लेने से और अधिक अपथ्य हो जाता है। वही दोष विविध कारणों से, विरुद्ध चिकित्सा वाला, धातुओं में पहुँचा हुआ, शरीर के प्राणायतनों में उत्पन्न, मर्म पर चोट करने वाला, अत्यंत कष्टदायी अतिशय जल्दी रोगों को उत्पन्न करने वाला होता है। अंत में आत्रेय यह भी बताते हैं कि मूल रूप से शरीर की बनावट भी नैसर्गिक व्याधिक्षमत्व पर प्रभाव डालती है। बहुत मोटे या बहुत दुबले लोग, रक्त, मांस, व अस्थियों के सुसंगठित न होने के कारण बड़ौल शरीर वाले लोग, दुर्बल, अल्पसत्त्व या कमजोर मनोबल वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता नहीं होती। जबकि इनके उलट लक्षणों वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता होती है। इन अपथ्य आहारों, दोषों व शरीर की भिन्नता के कारण बीमारियाँ भी कम या ज्यादा, जल्दी या देर से उत्पन्न होती हैं।

अब आपको यह स्पष्ट हो गया होगा कि क्यों कुछ लोग प्रायः कभी बीमार नहीं पड़ते। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनमें जीवन के अंतिम दिन तक लगभग सभी क्लिनिकल पैरामीटर्स सामान्य बने रहते हैं। जैसा कि आपने पूर्व में पढ़ा, वस्तुतः इस चमत्कार के पीछे कोई चमत्कार नहीं बल्कि व्याधिक्षमत्व है। प्राचीन भारत के महर्षि-वैज्जानिक आचार्य चरक व्याधिक्षमत्व सिद्धांत-प्रिन्सिपल ऑफ़ इम्यूनिटी-के जनक माने जाते हैं।

जिस व्यक्ति का सहज (इनेट) या युक्तिकृत (डेट्राइड्ड) व्याधिक्षमत्व मजबूत है वह मुश्किल से ही बीमार पड़ता है। यदि बीमार पड़ भी जाये तो बीमारी अपना बल मुश्किल से ही दिखा पाती है। व्याधिक्षमत्व में दो शब्द निहित हैं, व्याधि एवं क्षमत्व। व्याधि का तात्पर्य शरीर की धातुओं (रस, रक्त, मांस, मेदा, अस्थि, मज्जा, शुक्र) में विषमता उत्पन्न होना है। क्षमत्व से तात्पर्य इस विषमता को न होने देने की क्षमता है। मानसिक बीमारियों के सन्दर्भ में सत्त्व गुण जितना अधिक होगा, व्याधिक्षमत्व उतना ही बेहतर होगा। शरीर में सहज व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में यह बात महत्वपूर्ण है कि शरीर में दुरुस्त मांसपेशियों, संरचना, स्वरूप व मजबूतइन्द्रियों वाला व्यक्ति रोगों के बल से कभी प्रभावित नहीं होता। भूख, प्यास, ठंडी, गर्मी, व्यायाम को ठीक से सहन करने वाला, सम अग्नि वाला, बुढ़ापे की उम्र में भी बूढ़ा होने वाला, मांसपेशियों के सही चय वाला व्यक्ति ही स्वस्थ है (च.सू.21.18): समर्मांसप्रमाणस्तुसमसंहननोन्ः। दुहेन्द्रियोविकाराणां न बलेनाभिभूयते।क्षुत्पिपासातपसहः शीतव्यायाममसंहसः। समपक्वतासमजरः समर्मांसचयोमतः॥

आधुनिक वैज्ञानिक संदर्भ में व्याधिक्षमत्व को इम्युनिटी कहा जाता है। यह प्रतिरक्षा तंत्र संक्रमण, बीमारी या अन्य अवांछित तत्वों के आक्रमण से बचने के लिये शरीर को सुरक्षा प्रदान करता है। किसी व्यक्ति में व्याधिक्षमत्व में कमी होने से शरीर इम्यूनो-कॉम्प्लाइड्ड स्थिति में आ जाता है। ऐसी स्थिति में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होने से रोगजनन आसानी से होता है। इम्युनिटी किसी व्यक्ति के शरीर में विशिष्ट एन्टीबॉडी या श्वेत रक्त कोशिकाओं की क्रिया से किसी विशेष संक्रमण, विषाक्त पदार्थ या हानिकारी जीवन-शैली से होने वाले रोगों का प्रतिरोध करने की क्षमता के रूप में समझा जाता है।

जिस व्यक्ति का सहज (इनेट) या युक्तिकृत (डेट्राइड्ड) व्याधिक्षमत्व मज़बूत है वह मुश्किल से ही बीमार पड़ता है। यदि बीमार पड़ भी जाये तो बीमारी अपना बल मुश्किल से ही दिखा पाती है। व्याधिक्षमत्व में दो शब्द निहित हैं, व्याधि एवं क्षमत्व। व्याधि का तात्पर्य शरीर की धातुओं (रस, रक्त, मांस, मेदा, अस्थि, मज्जा, शुक्र) में विषमता उत्पन्न होना है। क्षमत्व से तात्पर्य इस विषमता को न होने देने की क्षमता है।

व्याधिक्षमत्व को परिभाषित करते हुये चरकसंहिता के दिग्गज टीकाकार आचार्य चक्रपाणि ने लगभग 900 साल पहले लिखा (च.सू. 28.7 पर चक्रपाणि): व्याधिक्षमत्वं षट्पाँशाबलाहारोऽष्टावर्गं व्याध्युदातप्रतिबन्धकत्वमिति यावत्। तात्पर्य यह है कि व्याधिबल की विरोधिता व व्याधि की उत्पत्ति में प्रतिबंधक होना व्याधिक्षमत्व है। अभिप्राय यह है कि शरीर में उत्पन्न बीमारी केवल या तीक्ष्णता को रोकने और बीमारी की उत्पत्ति को रोकने वाली क्षमता को व्याधिक्षमत्व कहा जाता है।

व्याधिक्षमत्व को बल, ओज और प्राकृत श्लेष्मा के रूप में भी जाना जाता है। बल वह शक्ति है जिसके द्वारा शरीर विभिन्न चेष्टाओं से कार्य संपन्न करता है। इस कार्योत्पादक शक्ति को व्यायाम-शक्ति से जाना देखा जाता है। बल के तीन प्रकार हैं (च.सू.11.36): त्रिविधंबलमिति- सहजं, कालजं, युक्तिकृतं च। सहजंयच्छरीरसत्त्वयोः प्राकृतं, काकृतत्तमयुक्तिभागजंवचः कृतं च, युक्तिकृतंपुनस्तद्यदाहरवेष्टायोगजम्। बल तीन प्रकार के होते हैं। सहज बल शरीर और मन पर आधारित होता है। उम्र के साथ शरीर की वृद्धि से प्राप्त बल को कालज बल कहा जाता है। खान-पान, जीवन-शैली और व्यायाम आदि की युक्ति से प्राप्त बल को युक्तिकृत बल कहा जाता है। रोग से रक्षा करने वाले को बल कहा जाता है। व्याधिक्षमत्वको ओज और ओज को बल के रूप में भी समझा जाता है (सु.सू.15.19) रसादीनांशुक्रान्तानां धातूनांयत्परतेजस्तत्सत्त्वलोचस्त देवबलमित्युच्यते स्वशास्त्रसिद्धान्तात्। रसादिक तथा शुक्रान्त धातुओं के उत्कृष्ट सार भाग को ओज कहते हैं तथा आयुर्वेद के अनुसार उसी का दूसरा नाम बल है। यही बल व्याधियों से शरीर की रक्षा करता है। यहाँ एक बात समझना आवश्यक है ओज और बल हालाँकि एक कहे गये हैं किन्तु ओज को कारण और बल को कार्य माना जाता है। ओज का रूप, रस और वर्ण होने से द्रव्य है जबकि बल इसका कार्य है। यहाँ व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में बल (कार्य) और कारण (ओज) को एक मान लिया जाता है। इसी सन्दर्भ में प्राकृत कफ को बल या व्याधिक्षमत्व का कारण माना जाता है (च.सू.17.1.17): प्राकृतस्त्वबलं श्लेष्मा विकृतो मल उच्यते। स चैवौजःस्मृतःकाये स च पाप्मोऽपिश्यते॥ यही कारण है कि कफज प्रकृति में उत्तम बल, पित्तज प्रकृति के व्यक्तियों में मध्यम बल तथा वातज प्रकृति के व्यक्तियों में अवर बल होता है।

इस प्रकार व्याधिक्षमत्व का तात्पर्य व्याधि-बल का विरोध शरीरगत बल द्वारा किया जाता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले विभिन्न भावों को दशविधि रोगी परीक्षा के भावों में भी देखा जाता है। उदाहरण के लिये व्यक्ति की मूल प्रकृति का बल से सीधा सम्बन्ध होता है। सबसे उत्तम सम प्रकृति (वात-पित्त-कफज) है, परन्तु किसी जनसंख्या में समप्रकृति वाले बहुत कम होते हैं। अतः व्यवहार में कफ प्रकृति वालों को बेहतर बल वाला माना जाता है। इसके साथ ही सार भी बल को प्रभावित करता है। सारयुक्त से तात्पर्य यह है कि व्यक्तियों में साररूप धातुओं का नियमित निर्माण होता है। सार धातुओं के सम्यक प्रकार से उत्पन्न होते रहने पर शरीर में व्याधिक्षमत्व बढ़िया बना रहता है। जैसा कि पूर्व में चर्चा की गयी है, बल का मुख्य कारक ओज है जो सभी धातुओं का सार है। साररूप में यह सभी धातुओं में व्याप्त होकर धातुओं की रक्षा करता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले अन्य भावों में सान्ध्य, सत्त्व, अग्नि, शारीरिक-शक्ति व वय हैं। अग्निबल को आहार करने की क्षमता से परखा जा सकता है। आहार-शक्ति (आहार की मात्रा) अग्निबल पर आश्रित है। यदि व्यक्ति की आहार शक्ति मजबूत है तो भोजन का पाचन और धातुओं की पुष्टि यथोचित होने से शरीर मजबूत रहता है। व्यायाम-शक्ति या शारीरिक रूप से श्रम करने की शक्ति भी बल का संकेतक है। व्यक्ति की वय या उम्र का भी बल से संबंध होता है। युवावस्था में उत्तम बल और जरा या बुढ़ापा आने पर बल कम रहता है।

व्याधिक्षमत्वकारोगों से बचाव और उपचार में अनिवार्यता को देखते हुये यह प्रश्न स्वाभाविक है कि व्याधिक्षमत्व को बढ़ाने के लिये कौन सी युक्ति का क्रियाव्यवन किया जाये? व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये बल व ओज की वृद्धि में सहायक द्रव्यों और क्रियाओं का इस प्रकार युक्तिपूर्वक नियमित सेवन करना चाहिये, जिससे व्याधिक्षमत्व का संरक्षण व वृद्धि हो किन्तु प्रकृति, अग्नि, धातुओं व मलक्रिया का समत्व तथा आत्मा, इन्द्रियों व मन की प्रसन्नता यथावत बनी रहे। यह विषय इतना विस्तृत है कि पूरा आयुर्वेद इतना समर्पित है। तथापि संक्षेप में व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये सात रक्षा-दीवारों की निरंतर और सम्यक सार-सम्हाल करना आवश्यक है। इनमें (1) आहार या खानपान, (2) विहार या जीवनशैली, (3) स्वस्थवृत्त या व्यक्तित्व स्वास्थ्य विषयक क्रियायें, (4) सद्बृत्त या व्यक्तित्व सदाचरण, (5) पंचकर्म या शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें, (6) रसायन या उम्र-आधारित रोगजनन को रोकने हेतु कायाकल्प उपाय, और अंततः (7) औषधि या चिकित्सा शामिल है।

—अतिथि सम्पादक, डॉ. दीप नारायण पाण्डेय (भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर) (यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

शराब पीने वाले का दोष या उसके जीन्स?



अशोक कुमार

यह सच है कि कुछ लोगों में आनुवंशिक भिन्नताओं के कारण शराब के प्रति सहनशीलता अधिक होती है। इसका मतलब है कि उन्हें शराब के

प्रभाव महसूस करने के लिए अधिक मात्रा में शराब की आवश्यकता होती है। यह स्थिति उन्हें अधिक शराब पीने के लिए प्रेरित कर सकती है, जिससे शराब की लत का खतरा बढ़ जाता है।

शराब के चयापचय में शामिल जीन:-

ADH (Alcohol dehydrogenase): यह एंजाइम शराब को एसिटाल्डिहाइड में परिवर्तित करता है, जो एक विषैला पदार्थ है। कुछ लोगों में ADH जीन के प्रकार के कारण यह प्रक्रिया तेजी से होती है, जिससे एसिटाल्डिहाइड का निर्माण अधिक होता है।

ALDH (Aldehyde

dehydrogenase): यह एंजाइम एसिटाल्डिहाइड को एसिटिक एसिड में परिवर्तित करता है, जो कम हानिकारक होता है। कुछ लोगों में ALDH जीन के प्रकार के कारण यह प्रक्रिया धीमी होती है, जिससे शरीर में एसिटाल्डिहाइड जमा होता है। एसिटाल्डिहाइड के कारण मतली, उल्टी और अन्य अग्रिय प्रभाव होते हैं, जो शराब पीने की मात्रा को सीमित कर सकते हैं।

आनुवंशिक कारकों का प्रभाव:-

कुछ लोगों में, इन जीनों में भिन्नता के कारण, शराब का चयापचय धीमा हो सकता है, जिससे वे अधिक शराब

पीते हैं और उन्हें कम नशा होता है। यह स्थिति शराब की लत के विकास के जोखिम को बढ़ा सकती है। इसका मतलब है कि उनके शरीर को शराब को संसाधित करने में अधिक समय लगता है, जिससे वे अधिक शराब पी सकते हैं ताकि वे वही प्रभाव महसूस कर सकें जो अन्य लोग कम मात्रा में शराब से महसूस करते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आनुवंशिकी शराब की लत का एकमात्र कारण नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण कारक:-

पर्यावरण: बचपन के अनुभव, सामाजिक दबाव और तनाव जैसे पर्यावरणीय कारक भी शराब की लत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

व्यक्तिगत विकल्प: व्यक्ति के अपने निर्णय और व्यवहार भी शराब की लत में योगदान करते हैं।

निष्कर्ष:- यह कहना सही नहीं है कि किसी व्यक्ति का शराब के प्रति अधिक सेवन पूरी तरह से उसके जीन्स के कारण होता है। आनुवंशिकी एक भूमिका निभाती है, लेकिन पर्यावरणीय और व्यक्तिगत कारक भी महत्वपूर्ण हैं। शराब की लत एक जटिल स्थिति है जिसके लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

—अशोक कुमार, पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

970 इंग्लिश स्कूलों में संकाय मंजूरी के बाद 11वीं कक्षा में प्रवेश होंगे

कक्षा 11 में संकाय स्वीकृति के लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने राज्य सरकार को प्रस्ताव भिजवाए

बीकानेर, (निर्स)। शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों में संकाय स्वीकृति के प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजे राज्य के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 7 मई से शुरू कर दी गई है, लेकिन प्रदेश के लगभग 970 इंग्लिश स्कूलों में 11वीं कक्षा के प्रवेश की प्रक्रिया संकाय स्वीकृति के बाद शुरू की जाएगी।

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार की ओर से शिक्षा सत्र 2021-

22 में शुरू किए गए इन स्कूलों में नई शिक्षा सत्र 2025-26 से 11वीं कक्षा शुरू होगी। कक्षा 11 में संकाय स्वीकृति के लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने राज्य सरकार को प्रस्ताव भिजवाए है।

प्रस्ताव पर स्वीकृति मिलने के बाद 11वीं कक्षा में प्रवेश का विद्यार्थियों को मौका मिलेगा। संभावना जताई जा रही है कि अधिकांश स्कूलों में विज्ञान संकाय की स्वीकृति मिल सकती है।

महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों की समीक्षा के लिए गठित

■ **प्रस्ताव पर स्वीकृति मिलने के बाद 11वीं कक्षा में प्रवेश का विद्यार्थियों को मौका मिलेगा, संभावना जताई जा रही है कि अधिकांश स्कूलों में विज्ञान संकाय की स्वीकृति मिल सकती है**

कमेटी ने आंकलन किया कि शहर व गांवों में आंकलन के बाद संकाय खोले जाएं वहीं बच्चों में विज्ञान विषय पढ़ने के प्रति क्रेज और विज्ञान संकाय की न्यूनता को देखते हुए विज्ञान संकाय खोलने की अनुशंसा की है। इसके तहत महात्मा गांधी इंग्लिश स्कूलों में साईंस

फैकल्टी खोले जाने की संभावना अधिक है। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। अध्यापिका 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित सीटों से अधिक आवेदन आने पर 17 जून

को ऑनलाइन लॉटर के जरिए अध्यापिकाओं का चयन किया जाएगा।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर ने 12वीं कक्षा के नतीजे गुरुवार को घोषित कर दिए हैं। इसकी कक्षा का परीक्षा परिणाम भी मई के अंतिम सप्ताह तक घोषित होने की संभावना है। इन 970 स्कूलों से 10वीं कक्षा की परीक्षा में इस साल शामिल हुए अनेक अध्यापिका संकाय स्वीकृति होने के बाद इन्हीं स्कूलों आगे का अध्ययन जारी रख सकेंगे।

गंगनहर में पानी की मात्रा बढ़ाई, किसानों को राहत मिलने की उम्मीद

नहर में चल रहा 1750 क्यूसेक पानी, किसानों ने चक्काजाम स्थगित किया

श्रीगंगनगर, (निर्स)। जिले में गंगनहर में घटती पानी की आपूर्ति से नाराज किसानों के लिए राहत की खबर है। पिछले दिनों से नहर में हो रही कम पानी की आपूर्ति को लेकर जिलेभर के किसानों में गुस्सा था, जिसके बाद गंगनहर में अब पानी की मात्रा बढ़ाई गई है। इससे किसानों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

कल दिनभर पानी की आवक में

■ **पिछले दिनों से नहर में हो रही कम पानी की आपूर्ति को लेकर जिलेभर के किसानों में गुस्सा था, जिसके बाद गंगनहर में अब पानी की मात्रा बढ़ाई गई है**

उतार-चढ़ाव रहा। दोपहर तक खर्खां हैड पर पानी घटकर 1400 क्यूसेक रह गया था। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई थी। शाम तक जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने पंजाब के

अधिकारियों से बात की। इसके बाद पानी की आवक बढ़कर 1718 क्यूसेक हो गई। इसी बीच संयुक्त किसान मोर्चा के शिष्टमंडल ने जिला कलेक्टर, जल संसाधन विभाग और

पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की। बैठक में तय हुआ कि गंगनहर में तय हिस्से के अनुसार पानी की आपूर्ति की जाएगी। पंजाब और राजस्थान में नहरों से पानी चोरी रोकी जाएगी। सिंचाई से जुड़ी समस्याओं पर विशेष बैठक होगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को मुआवजा दिलाया जाएगा। इन सहमतियों के बाद संयुक्त किसान मोर्चा ने आज होने वाला चक्का जाम

स्थगित कर दिया। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक नेशनल हाईवे पर प्रस्तावित था। किसानों ने प्रशासन को एक सप्ताह का समय दिया है। चेतावनी दी कि तय समय में समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन किया जाएगा। किसानों ने कहा कि खेतों के लिए पूरी मात्रा में पानी और बीमा योजना का लाभ नहीं मिला, तो वे मजबूती से संघर्ष करेंगे।

प्रोजेक्ट दिव्यांग सारथी : 151 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल वितरित की

राजसमंद, (निर्स)। जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा के निर्देशन में जिला प्रशासन की पहल प्रोजेक्ट दिव्यांग सारथी शनिवार को साकार हुई। सरकार एवं भामाशाहों के सहयोग से मिले लाभ को पाकर हर एक के चेहरे पर मुस्कान थी और हर कोई जिला प्रशासन की पहल का आभार प्रकट कर रहा था। शहर के सौ फीट रोड स्थित शिथु निलयम परिसर में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, संभागीय आयुक्त उदयपुर प्रज्ञा केवलरमानी, एनके प्रोटीन्स प्राइवेट लिमिटेड से प्रियांशी पटेल, शुभकाम वेंचर्स की प्रतिनिधि डॉ. विमल कावडिया, भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल, जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा, एसपी मनीष त्रिपाठी, एडीएम नरेश

बुनकर, जिला परिषद सीईओ बृज मोहन बैवा, एसडीएम वृंजेश गुप्ता आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं सहित शिक्षा, स्वच्छता एवं हर क्षेत्र में आज राजसमंद अग्रणी है। सम्भागीय आयुक्त केवलरमानी ने प्रशासन के अभियानों और नवाचारों को लेकर प्रशंसा की। भामाशाह प्रियांशी पटेल ने कहा कि उनकी संस्था जनहित के कार्यों में आगे भी प्रतिबद्धता

जसवंतगढ़ एवं मुंबई, एनके प्रोटीन्स प्राइवेट लिमिटेड अहमदाबाद तथा शुभकाम वेंचर्स (इंडिया) प्राइवेट



राजसमंद में आयोजित प्रोजेक्ट दिव्यांग सारथी के जिला स्तरीय कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल वितरित की।

लिमिटेड लाडनू एवं मुंबई द्वारा चलन असमर्थता वाले दिव्यांगजन के लिए 151 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल भेंट की

गई, जिनमें से अधिकांश का समारोह में वितरण किया गया। मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल वितरण से पहले सांसद,

सम्भागीय आयुक्त, भामाशाहों, जनप्रतिनिधियों ने प्रत्येक दिव्यांग का उपरना ओढ़ाकर सम्मान किया। साथ ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से 22 मस्कूलर डिस्ट्रोफी पीडितों को इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर वितरित की गई। 52 दिव्यांगजन को मुख्यमंत्री स्वरोजगार ऋण योजना के तहत 44 लाख रुपये के स्वरोजगार ऋण वितरित किया गया, जबकि गत वर्षों में 7 या 8 आवेदन ही प्रतिवर्ष स्वीकृत हुए। इसी तरह 1 जनवरी से अब तक स्वावलंबन योजना के तहत 1474 यूडीआईडी (दिव्यांग कार्ड) जारी किए गए अभियान अवधि में 142 दिव्यांगजन की पेंशन स्वीकृत हुई तो वहीं एक पात्र जोड़े को सुखद दाम्पत्य जीवन योजना का लाभ भी मिल गया।

राशिफल रविवार 25 मई, 2025



पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत् 2082, अश्विनी नक्षत्र दिन 11:12 तक, सौभाग्य योग दिन 11:06 तक, वणिज करण दिन 11:12 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरु-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 11:12 तक है। भद्रा दिन 3:52 से रात्रि 2:02 तक है। आज से नौ तपा आरम्भ होगा। आज मास शिवरात्रि, सावित्री चतुर्दशी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:20 से 9:01 तक, लाभ अमृत 9:01 से 12:23 तक, शुभ 2:05 से 3:46 तक। राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:08

मे़ष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्य योजनानुसार सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
आज मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदंड रहेगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों समाप्त से बचने लेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बचने लेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें।

कन्या
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। संपातित धन प्राप्ति में विफल हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बचने लेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बचने लेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बचने लेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

एसएमएस अस्पताल लापरवाही का मामला उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन

गर्भवती को चढ़ाया गया गलत ब्लड ग्रुप, चिकित्सा मंत्री ने बुलाई आपात बैठक

जयपुर। प्रदेश के सबसे बड़े सर्वाई मानसिंह अस्पताल में चिकित्सा लापरवाही का सनसनीखेज मामले में चिकित्सा विभाग में हड़कंप मचा दिया है। एसएमएस की जांच कमेटी ने अपनी जांच में माना है कि लापरवाही के चलते टोंक निवाई से भर्ती एक गर्भवती महिला को इलाज के दौरान गलत ब्लड ग्रुप चढ़ा दिया गया था, वहीं दूसरी ओर अस्पताल प्रशासन अभी इस पर अड़ा हुआ है कि महिला की स्थिति पहले से ही नाजुक थी, जिसके कारण उसकी मौत हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खीवसर ने शनिवार को

एसएमएस मेडिकल कॉलेज में उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। बैठक के बाद मंत्री ने पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय जांच समिति के गठन की घोषणा की, जो तीन दिन में मामले को विस्तृत रिपोर्ट पेश करेगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री खीवसर ने कहा है कि इस संवेदनशील मामले में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि महिला 9 मई से एसएमएस अस्पताल में भर्ती थी। उसकी हालत पहले से ही गंभीर थी।

- तीन दिन में सौंपनी होगी रिपोर्ट, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई
- अस्पताल प्रशासन की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में हुई पुष्टि

हीमोग्लोबिन कम, ऑक्सीजन लेवल गिरा हुआ और कई बीमारियों से ग्रसित होने के कारण वेंटीलेटर पर डिलीवरी की गई। इस दौरान ब्लड ट्रांसफ्यूजन के दौरान गलत ब्लड ग्रुप चढ़ाया गया,

जिसकी पुष्टि खुद अस्पताल प्रशासन की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में हुई है। मंत्री खीवसर ने स्पष्ट किया कि अस्पताल की ओर से पहले बनाई गई समिति की रिपोर्ट से संतुष्टि नहीं मिलने पर अब चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक मुकेश मीणा की अध्यक्षता में नई उच्च स्तरीय कमेटी बनाई गई है। इस समिति में एसएमएस पूर्व अधीक्षक डॉ. नरपत सिंह शेखावत, मेडिसिन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर मेहता, एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, राजमेक की उप निदेशक डॉ. वंदना शर्मा शामिल है।

बैठक में चिकित्सा मंत्री ने सभी अधीक्षकों को निर्देशित किया कि आईसीयू, ऑपरेशन थिएटर और क्रिटिकल केयर वार्ड में केवल प्रशिक्षित व अनुभवी स्टाफ को ही इयूटी पर लगाया जाए। इसके अलावा चिकित्सकों, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ का नियमित प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। इस आपात बैठक में चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, आयुक्त इकबाल खान, प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी सहित चिकित्सा महकमे के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस कमिशनरेट में साइबर सपोर्ट सेंटर की शुरुआत



साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिये राजस्थान पुलिस महानिदेशक यू.आर.साहू और पुलिस महानिदेशक साइबर (अपराध) हेमंत प्रियदर्शी ने साइबर सपोर्ट सेंटर की शुरुआत की।

- ऑनलाइन खतरों की बढ़ती चुनौतियों को निटपने के लिए बनाया सेंटर
- साइबर अपराध से सबसे अधिक दो चार हो रहे हैं बच्चे

जयपुर। साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने सहित ऑनलाइन खतरों की बढ़ती चुनौतियों को निटपने के लिए जयपुर पुलिस कमिशनरेट कार्यालय में शनिवार से राजस्थान का पहला साइबर सपोर्ट सेंटर शुरू किया गया है। इस सेंटर में साइबर ठगी के शिकार हुए लोगों की मदद की जाएगी। वहीं साइबर अपराध से कई बार महिलाएँ और बच्चे परेशान होकर अवसाद में चले जाते हैं। ऐसे में यह सेंटर इस तरह के पीड़ितों की काउंसिलिंग करने में मदद करेगा। साथ ही ठगाने से बाहर निकालने में मददगार साबित होगा।

राजस्थान पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, पुलिस महानिदेशक साइबर (अपराध) हेमंत प्रियदर्शी ने इस सेंटर की शुरुआत की है। यह सेंटर मुम्बई स्थित एनजीओ रेंसॉसिबल नेटिजन्स द्वारा संचालित किया जाएगा और कोगटा फाउंडेशन इसमें आर्थिक सहयोग करेगा। यह सेंटर ऑनलाइन ठगी के शिकार हुए लोगों को मुकाबला करने, साइबर अपराधों के पीड़ितों को तत्काल सहायता प्रदान करने और साइबर सेफ जयपुर अभियान के अंतर्गत साइबर वेल्नेस को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है।

साइबर क्राइम और उससे जुड़े आंकड़ों पर काम कर रही टीम ने बताया

सम्बन्धित है। साइबर अपराधों में लोगों ने पिछले तीन साल में 1581 करोड़ रुपए गवा दिए। समय पर हस्तक्षेप के कारण पुलिस 676 करोड़ रुपए होल्ड करा सकी है। साइबर हेल्पलाइन पर साइबर स्टॉकिंग, साइबर बुलिंग और अन्य प्रकार से परेशान किया जाता है। विशेष रूप से महिलाओं के शिकार होने के बारे में हर दिन लगभग 10/15 कॉल आते हैं। साइबर बुलिंग, टोलिंग, साइबर स्टॉकिंग, रिवेंज पोर्न और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी सहित ऑनलाइन संकट के पीड़ितों को मुफ्त मनोवैज्ञानिक, कानूनी और तकनीकी सहायता प्रदान करना। शिक्षा, प्रशिक्षण और जागरूकता अभियानों के माध्यम से साइबर अपराधों के जोखिम को कम करने के लिए उपाय अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना। इंटरनेट की लत, ऑनलाइन उत्पीड़न या साइबर अपराधों के मनोवैज्ञानिक प्रभावों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए उपचार की सेवा प्रदान करना। एक सुरक्षित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी एजेंसियों, कानून प्रवर्तन और कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से साइबर कल्याण की वकालत करना।

राजापार्क में निकाली तिरंगा यात्रा

जयपुर। देश की सेना और वीर जवानों के सम्मान में आज मालवीय नगर विधानसभा के राजापार्क मंडल में तिरंगा यात्रा की विधायक कालीचरण सराफ ने रवाना किया। मंडल अध्यक्ष मोहित मूलचंदानी ने बताया कि तिरंगा यात्रा राम मंदिर से शुरू होकर पंचवटी सर्किल, राजा पार्क चौराहा होते हुए परनामी मंदिर पर जाकर संपन्न हुई। इस तिरंगा यात्रा में जगह-जगह पर व्यापार मंडल एवं स्थानीय निवासियों द्वारा 20 जगह पर पुष्प वर्षा कर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया गया। इस रैली में महिलाओं की भी सक्रिय रूप से भागीदारी रही। इस अवसर पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष अजय पाल सिंह, जसबीर सिंह, जयपुर शहर उपाध्यक्ष ब्रह्माकुमार सैनी, हिमांशु जैन, रमेश गुलाटी, महेश सैनी बच्चू, बलदेव सिंह, लक्ष्मण नूतीवाल, उषा टाटीवाल, कविता कटियार, धनराज महावर, हरीश खडिया, प्रिया यादव, नरेंद्र कौर, राजेश शर्मा, दीनदयाल सेनी एवं काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता स्थानीय निवासी एवं व्यापारी बंधु शामिल हुए।

जोधपुर विश्वविद्यालय में पेंशनर्स को छह माह से पेंशन नहीं

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय पेंशनर्स एसोसिएशन (रूपा) कार्यकारिणी की आज आपातकालीन बैठक विश्वविद्यालय अतिथि गृह में आयोजित की गई, इस बैठक में राज्य पोषित विश्वविद्यालयों, विशेष रूप से जय नारायण विश्वविद्यालय जोधपुर में पिछले 6 माह से विश्वविद्यालय कर्मियों को पेंशन जारी नहीं किए जाने जैसे विषय की गंभीरता से जुड़े विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की गई, वह चर्चा के बाद कार्यकारिणी से जुड़े सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया, कि इस गंभीर विषय के संबंध में राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट करने के उद्देश्य से एक विशाल धरना 26 मई को राजस्थान विश्वविद्यालय कुलपति सचिवालय के समक्ष आयोजित किया जाएगा। धरने में राजस्थान विश्वविद्यालय से जुड़े सभी पेंशनर्स भाग लेंगे। पेंशनर्स एसोसिएशन ने विश्वविद्यालय से जुड़े कर्मियों व सभी पेंशनर्स से यह आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस धरने में शामिल हो, जिससे इस स्थिति का भविष्य में किसी को भी सामना नहीं करना पड़े।

चार कैदी चकमा देकर हुए फरार

जेल से इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल लेकर आए थे

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल से इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल लेकर आए चार कैदी पुलिस गार्ड और डॉक्टर को चकमा देकर फरार हो गए। इस सूचना के बाद पुलिस में खलबली मच गई। आनन फानन में पुलिस ने कड़ी नाका बंदी करवाई।

इस सूचना के बाद पुलिस कमिशनर सहित अन्य अधिकारियों ने मिलकर सर्च अभियान शुरू किया और कई घंटे के प्रयास के बाद एसएमएस अस्पताल से भागे कैदियों को अलग-अलग जगह से गिरफ्तार कर लिया।

एडिशनल डीसीपी आसाराम ने बताया की शनिवार दोपहर को चार कैदियों को इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल लेकर गए थे। जहां से कैदी पुलिस गार्ड और डॉक्टर को चकमा देकर फरार हो गए। कई घंटे तक चल

- कई घंटे के प्रयास के बाद एसएमएस अस्पताल से कैदियों को अलग-अलग जगह से किया गिरफ्तार

सर्च अभियान के बाद पुलिस ने दो बहियों को जालपुरा से और दो कैदियों को जयपुर और एयरपोर्ट के नजदीक से पकड़ लिया। गिरफ्तार करने के बाद कैदियों को लाल कोठी थाने पर लाया गया और उनसे पूछताछ की जा रही है। इस पूरे प्रकरण में पुलिस अस्पताल प्रशासन और गार्डों की मिली भगत सामने आ रही है। कैदियों से पूछताछ के बाद उन्हें वापस जयपुर सेंटर जेल में छोड़ दिया गया।

राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं पर सख्त निगरानी, कोताही पर होगी सख्त कार्रवाई

जयपुर। राजस्थान सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने साफ कहा है कि सेवाओं में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जरूरतमंदों को समय पर जांच, दवा और उपचार मिलना सुनिश्चित किया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शनिवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में सभी जिलों के चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच राजधानी से गांव-ढाणी तक मजबूत होनी चाहिए। लू-तापघात की स्थिति को देखते हुए तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के आदेश दिए गए हैं।

- प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं को 'पेशेंट फ्रेंडली' बनाने के निर्देश, लू-तापघात प्रबंधन पर विशेष जोर
- सिलिकोसिस पीड़ितों को मिले तत्काल राहत, फर्जीवाड़े पर कड़ी कार्रवाई

राठौड़ ने निर्देश दिए कि जांच, दवा, उपचार, उपकरणों की उपलब्धता और क्रियाशीलता की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। कोई भी मरीज जांच मशीन खराब होने के कारण परेशान न हो, इसके लिए संस्थानों में समय पर मंटीनेंस कराया जाए। जांच मशीनों लंबे समय तक अक्रियाशील रहें तो संस्थान प्रभारी को जिम्मेदारी तय की जाएगी। स्टाफ को योजनाओं का लाभ देने में संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए

प्रमुख शासन सचिव ने निरामय राजस्थान को मिशन मोड में चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 30 वर्ष से अधिक आयु के हर नागरिक की एनसीडी स्क्रीनिंग का लक्ष्य समय पर पूरा किया जाए। साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान को और अधिक गति देने की जरूरत बताई गई। सिलिकोसिस पीड़ितों को योजनाओं का लाभ देने में संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए

गए। लेकिन फर्जी दस्तावेज या जांच रिपोर्ट के जरिए लाभ उठाने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। राज्य के सभी चिकित्सा संस्थानों को फायर सेफ्टी ऑडिट तत्काल कराने, भवनों का समय-समय पर निरीक्षण करने और जरूरत पड़ने पर मरम्मत करवाने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर जांच अभियान चलाने और स्टूट फूड से लेकर बड़े खाद्य उत्पादकों तक की सख्त निगरानी का आदेश दिए गए हैं। दिव्यांगजन प्रमाण-पत्र के लंबित मामलों को तीन महीने में समाप्त करने की कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। कोई दिव्यांगजन प्रमाण के लिए चक्कर न काटे, यह सुनिश्चित करने को कहा गया।

प्रदेश में फिर सिर उठाने लगा कोरोना

10 नए केस, 7 मरीज मिले जयपुर-जोधपुर से

जयपुर। कोरोना एक बार फिर राजस्थान में दस्तक देने लगा है। पिछले चार महीने तक जहां कोविड के मामले लगभग नगण्य थे, वहीं मई माह में अब तक 10 नए केस दर्ज हो चुके हैं। बीते 48 घंटे में 7 नए संक्रमित मिले हैं, जिनमें 4 मरीज जोधपुर एम और 3 जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज में सामने आए हैं। चिंता की बात ये है कि इन सभी मामलों में कोरोना के नए सब-वैरियंट-1 की आशंका जताई जा रही है, जो फिलहाल एशियाई देशों में तेजी से फैल रहा है। इसे देखते हुए चिकित्सा विभाग ने जीनोम सीक्वेंसिंग की प्रक्रिया तेज कर दी है और अस्पतालों को अलर्ट मोड में डाल दिया गया है।

अचानक बढ़े मामलों ने बढ़ाई चिंता

कोरोना के अचानक बढ़े मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। वर्ष 2025 के पहले चार महीनों में पूरे राज्य में केवल दो कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए थे। मगर मई की शुरुआत से ही मामले बढ़ने लगे हैं। खासकर बीते दो दिनों में संक्रमितों की संख्या में तीव्र उछाल देखा गया है। जोधपुर एमएस में पाए गए चार

- ओमिक्रॉन का सब-वैरियंट-1 सक्रिय, चिकित्सा विभाग अलर्ट मोड पर

संक्रमितों में तीन बच्चे शामिल हैं, जिनकी उम्र 5 महीने से 12 साल के बीच है। चौथा मरीज 38 वर्षीय युवक है। वहीं, जयपुर में तीन नए केस सामने आए हैं।

वैरियंट की पहचान जरूरी

चिकित्सा विभाग ने सभी नए संक्रमितों के सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग शुरू कर दी है। विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल की हालिया बैठक में यह पुष्टि हुई है कि यह नया संक्रमण ओमिक्रॉन के सब-वैरियंट-1 से जुड़ा हो सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस वैरियंट से न तो अब तक किसी की मौत हुई है और न ही कोई गंभीर मामला रिपोर्ट हुआ है। मरीज साधारण दवाओं से ठीक हो सकते हैं।

सतर्कता जरूरी, डर नहीं

विशेषज्ञों का कहना है कि अभी घबराने की नहीं, बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है। लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। मास्क और सैनिटाइजर का फिर से उपयोग बढ़ाएं, भीड़भाड़ वाली जगहों में सावधानी बरतें।

ऐसे बड़े करोना के केस

मई में अब तक 10 नए कोरोना केस, जनवरी से अप्रैल तक केवल 2 केस, बीते 48 घंटे में 7 नए केस, 4 जोधपुर, 3 जयपुर के हैं।

इनका कहना है :

एसएमएस मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खीवसर ने बताया कि अभी तक किसी भी केस में घातक लक्षण सामने नहीं आए हैं। देशभर में पैनिंग जैसी कोई स्थिति नहीं है। पर हमने सभी अस्पतालों को निर्देश दे दिए हैं कि यदि कोई संदिग्ध मरीज आता है, तो उसकी तुरंत जांच की जाए।

डबल स्टैंडर्ड की सरकार, जो पक्ष-विपक्ष के लिए चाहती है अलग कानून : डोटासरा

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कंवरलाल मीणा मामले में विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी और भजनलाल सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कंवरलाल मीणा की सदस्यता रद्द करने में आखिर 24 दिन की देरी क्यों की गई? इस मामले में जानबूझकर कानून का उल्लंघन किया गया है।

इसी के साथ भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा की सदस्यता होने के बाद अब अंता विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव को लेकर डोटासरा ने कहा कि अंता उपचुनाव में कांग्रेस की जीत होगी। पिछली बार ही चार से पांच हजार वोटों का अंतर था। जिस व्यक्ति पर 27 मुकदमे दर्ज हैं, वहां भाजपा ने बूथ कैप्चरिंग की। कुछ लोगों ने डर की वजह से वोट दे दिए थे, लेकिन अब वहां कांग्रेस की जीत होगी। प्रदेश मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से डोटासरा ने कहा कि राज्य सरकार और विधानसभा अध्यक्ष के फैसले से जनता में गलत संदेश गया है। ये कहते हैं कि हम डबल इंजन की सरकार हैं। यह डबल इंजन की नहीं, डबल स्टैंडर्ड की सरकार है जो अपने लिए अलग कानून चाहती है और विपक्ष के लिए अलग कानून चाहती है। जब राहुल गांधी की सदस्यता 24 घंटे के अंदर खत्म कर दी गई थी तो फिर भाजपा विधायक की सदस्यता रद्द करने में 24 दिन का समय क्यों लिया गया?

रात्रि चौपाल में आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हुआ

जयपुर। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिले की सभी तहसीलों में रात्रि चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सांगानेर के अजयराजपुरा में रात्रि चौपाल का आयोजन कर आमजन की परिवेदनाओं का प्रभावी एवं त्वरित निरस्तारण किया गया। इस दौरान 100 से अधिक धारा-136 के तहत शुद्ध प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर जयपुर प्रथम श्रीमती विनीता सिंह की अध्यक्षता में आयोजित रात्रि चौपाल कार्यक्रम में उपखण्ड अधिकारी सांगानेर श्री हिमन्त सिंह एवं पंचायती राज, विधुत विभाग, पीएचईडी, पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। रात्रि चौपाल में ग्राम पंचायत अजयराजपुरा के अलावा आस-पास के लगभग 10-12 गांव चिरोटा, जगन्नाथपुरा, पांक्टोटा खुर्द इत्यादि के लगभग 250 से ज्यादा लोगों ने भाग लेकर अपनी पेयजल, विद्युत समस्या व अन्य समस्या बताई। पेयजल, विद्युत अन्य समस्याओं को संबोधित अधिकारियों को निर्देशित कर तुरंत समाधान करवाया गया। रात्रि चौपाल में मूल समस्या रिकॉर्ड शुद्धि को लेकर सामने आई जिसे लेकर



जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर सांगानेर के अजयराजपुरा में शनिवार को रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया।

काफी वर्षों से ग्रामीण लोग परेशान होते चले आ रहे थे। उक्त समस्याओं को मौके पर उपखण्ड अधिकारी हिमन्त सिंह द्वारा सुना गया एवं 100 से अधिक धारा-136 के तहत शुद्ध प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। ग्राम अजयराजपुरा से आये काश्तकार गोपाल पुत्र मोहरिया का

जमाबंदी में नाम गलत नाम जिसे गोपाल पुत्र मोहरू कर तुरंत राहत प्रदान की साथ ही ग्राम जगन्नाथपुरा के काश्तकार का नाम जमाबंदी में नाम सूरज करण पुत्र नाथू से सूरजमल पुत्र नाथुराम किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों में रात्रि चौपाल को लेकर काफी हर्ष की लहर थी। रात्रि चौपाल में उपखण्ड अधिकारी

हिमन्त सिंह के साथ उप तहसीलदार बगरू, पटवारी, गिरदावर व अन्य पटवारीगण की टीम उपस्थित रही। उक्त रात्रि चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण की श्रीमती विनीता सिंह (एडीएम प्रथम) द्वारा उपखण्ड अधिकारी व उनकी टीम की सराहना की।

पेट्रोल पंप पर डकैती की योजना बनाते पांच बदमाश चढ़े पुलिस के हत्थे

पूछताछ में अब तक डेढ़ दर्जन नकबजनी की वारदातों का किया खुलासा

जयपुर। भट्ठा बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पेट्रोल पंप पर डकैती की योजना बना रहे पांच बदमाशों को धर-दबो है और उनके पास से डकैती डालने की वारदात में प्रयुक्त धारदार कटार, धारदार छुरी, पेचकश, रस्सी, मिर्ची पाउडर और बैग बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित थाना इलाके में स्थित हरिनगर मोड के भारत पेट्रोल पंप पर डकैती की वारदात करने वाले थे और पिछले चार माह से रेकी करते आ रहे थे। उन्हें पता था कि इस पेट्रोल पंप के ऑफिस में रात्रि को काफी नगद राशि रहती है और उन्हें बस एक मौके का इंतजार था। सभी गिरफ्तार आरोपी अव्वल दर्जे के नकबजन व लुटेरे हैं जो जो टारगेट तय कर वारदात करते हैं। साथ ही सभी आरोपित स्मैक बेचने व स्मैक पीने के आदी हैं। जो सुनसान मकानों व सोने चांदी की दुकानों की दिन में रेकी करते हैं और फिर रात में वारदात को अंजाम देते हैं। पुलिस की पूछताछ में अब तक डेढ़ दर्जन नकबजनी की वारदातों का खुलासा किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) राशि डूडी डोगरा ने बताया कि भट्ठा बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हरिनगर मोड के भारत पेट्रोल पंप पर डकैती की वारदात करने वाले बदमाश 35 वर्षीय जावेद खान,29 वर्षीय शाहीद उर्फ डकैत, 36 वर्षीय मोहम्मद कलीम,21 वर्षीय शुभम नायक और 23 वर्षीय आजाद को गिरफ्तार किया है और सभी आरोपी भट्ठा बस्ती इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से धारदार कटार,धारदार छुरा,पेचकश,



भट्ठा बस्ती थाना पुलिस ने पेट्रोल पंप पर डकैती की योजना बना रहे पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

- डकैती डालने की वारदात में प्रयुक्त धारदार कटार, धारदार छुरी, पेचकश, रस्सी, मिर्ची पाउडर और बैग किये बरामद
- आरोपियों ने चार माह पहले ही कर रखी थी रेकी, गिरफ्तार आरोपित अव्वल दर्जे के नकबजन व लुटेरे
- सभी आरोपी स्मैक बेचने व स्मैक पीने के आदी हैं, सुनसान मकानों व सोने चांदी की दुकानों की दिन में करते हैं रेकी

रस्सी, मिर्ची पाउडर, बैग जब्त किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि सभी आरोपी मोबाइल स्नैचिंग, पर्स स्नैचिंग, लैपटॉप आदि छीन्ते हैं तथा

सूने पड़े मकानों, निर्माणाधीन मकानों, बड़ी ज्वेलरी की दुकानों की कचरा बोनने के बहाने दिन में सम्पूर्ण रेकी कर लेते हैं। उसके पश्चात मौका मिलते ही

दिन या रात में वारदात को अंजाम दे देते हैं। वारदात होने के पश्चात किसी जगह पर फुटेज में आ जाने पर फरारी काटने के लिये जयपुर से बाहर चले

पुलिस कांस्टेबल ने जेवर सहित नकदी से भरा पर्स महिला को लौटाया

जयपुर। बजाज नगर थाना इलाके में स्थित गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर एक महिला यात्री का सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी से भरा पर्स गिर गया। प्लेटफॉर्म पर गस्त कर रहे पुलिस कांस्टेबल ने पर्स मिलने पर महिला यात्री को ढूंढ़कर ईमानदारी का परिचय दिया। महिला यात्री ने पर्स देने वाले जीआरपी थाने के कांस्टेबल का आभार जताया। एएसआई जगदीश चौधरी ने बताया कि गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर भरतपुर निवासी सुनीता शर्मा शनिवार सुबह ट्रेन पकड़ने आई थी। जयपुर से भरतपुर जाने के लिए वह प्लेटफॉर्म पर बैठकर ट्रेन का इंतजार करने लगी। इस दौरान उनका सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी से भरा पर्स प्लेटफॉर्म पर गिर गया। प्लेटफॉर्म ड्यूटी पर गस्त कर रहे कांस्टेबल रामप्रसाद को लावारिस हालत में पर्स पड़ा मिला। जहां कांस्टेबल रामप्रसाद ने पर्स को चैक किया,जिसमें सोने के दो कड़ें,दो धुमकियां, 5 हजार 700 रुपए,मोबाइल व देवाड़ा रखी मिली। पर्स में रखे मोबाइल के जरिए सम्पर्क निकाल



कांस्टेबल रामप्रसाद ने गांधी नगर रेल्वे स्टेशन पर लावारिस मिला पर्स महिला को वापस लौटाया।

महिला यात्री को ढूंढ़कर पर्स लौटाया। पर्स मिलने पर महिला यात्री सुनीता ने

कांस्टेबल रामप्रसाद की प्रशंसा करने के साथ ही धन्यवाद दिया।

रोज़ी रोटी अधिकार अभियान के 8वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज़

प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा रॉय ने किया उद्घाटन, जुटे देशभर के 500 से अधिक कार्यकर्ता

जयपुर। रोज़ी रोटी अधिकार अभियान का 8वां तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शनिवार को रोज़ी रोटी का हक हमारा, लोकतंत्र मजबूत हमारा संदेश के साथ प्रारंभ हुआ। डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी के प्रांगण में प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा रॉय, कवीता श्रीवास्तव, आयशा, गंगा भाई आदि ने देशभर से आए विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं के बीच संविधान की उद्देशिका का वाचन कर सम्मेलन का आगाज़ किया। इसके बाद आयोजित उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए अरुणा रॉय ने कहा कि जनता को मिलने वाला भोजन व अन्य सुविधाएं प्रौढीजी नहीं हैं, ये हर नागरिक का अधिकार है जो संविधान ने दिया है। भोजन का अधिकार मूलभूत ज़रूरत है।



रोज़ी रोटी अधिकार अभियान का राष्ट्रीय सम्मेलन शनिवार को रोज़ी रोटी का हक हमारा, लोकतंत्र मजबूत हमारा संदेश के साथ प्रारंभ हुआ।

अभियान से जुड़े रहे देश व राज्य के दिवंगत कार्यकर्ताओं को भी याद किया गया। सम्मेलन में संयुक्त किसान मोर्चा पंजाब के प्रतिनिधि हरिंदर बिंदु, महाराष्ट्र के जनआन्दोलन के नेतृत्व उल्का महाजन, की कवीनर अंजलि भारद्वाज, स्कॉलर नवशरण सिंह, ज्यॉ ट्रेंज जैसे शोधकर्ता, सैयदा हमीद, निखिल डे, हर्ष मंदर, शोधकर्ता दीपा सिन्हा, साहू पटोले (खाद्य संस्कृति लेखक) सहित विभिन्न संगठनों से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता व विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। सम्मेलन के दौरान उल्का महाजन व कोमल श्रीवास्तव के संयोजन में आयोजित पैनल में ओडिशा के एंटी माइनिंग आंदोलन के नेता लिंगराज

आजाद ने कहा कि केवल भोजन नहीं बल्कि पोषण ज़रूरी है जिसकी ओर ध्यान दिया जाना चाहिए। जेएनयू छात्रसंघ महासचिव मुन्तेहा फातिमा ने कहा कि भोजन का अधिकार कोई चैरिटी नहीं है, यह नागरिक का अधिकार है जिसे कई प्रकार से खारिज करने की कोशिशें की जा रही हैं। लेखिका व शोधकर्ता रीतिका खेड़ा ने गर्भवती महिलाओं को दिए जाने वाले 6 हजार रुपए की प्रक्रिया, सामाजिक सुरक्षा पेंशन आदि पर विचार रखे। दिलित किचनस किताब के लेखक साहू पटोले ने जाति प्रथा और दिलितों की खाद्य संस्कृति के विविध पहलुओं पर बात की। मजदूर किसान शक्ति संगठन के मुकेश निर्वासित ने कहा कि एक ओर

हम अंतरिक्ष में जाने की बात करते हैं, दूसरी ओर लोगों को भोजन तक नहीं मिलता। सतर्क नागरिक संगठन की अमृता जोहरी ने आरटीआई संशोधन वापस लेने की मांग की। दीपा सिंह ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ताओं की सक्रियता से ही विभिन्न जनहितकारी कानून लागू हुए हैं इसलिए सबको सक्रिय रहने की आवश्यकता है। सम्मेलन के दौरान आयोजित आठ समानांतर सत्रों में पीडीएस, बच्चों का भोजन व पोषण का अधिकार, मातृत्व अधिकार, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून, फ़ूटलाइन कामगारों के अधिकार, नक़द हस्तांतरण की योजनाएं, डिजिटाइज़ेशन के भोजन के अधिकार पर प्रभाव और प्रवासी मजदूरों से जुड़े मुद्दों पर विशेषज्ञ

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने चर्चा की। शाम को आम सभा बैठक आयोजित की गई। रोज़ी रोटी अभियान संयोजक आयशा खान ने बताया कि रविवार को दूसरे दिन सुबह नौ बजे खाद्य संप्रभुता और पोषण सुरक्षा में उभरते मुद्दे विषय पर चर्चा के साथ दिन की शुरुआत होगी। इसमें अतुल सती, हर्ष मंदर, हरिंदर बिंदु, नवशरण सिंह, अंजलि भारद्वाज, बिराज पटनायक, आरटीएफ अभियान और नवली गरासिया विचार रखेंगे। सत्र 5 बजे से भोजन का अधिकार सुनिश्चित करने में राजनीतिक दलों की भूमिका विषय पर कांग्रेस नेता शशिकांत सिंहल, सीपीआईएम नेता अमरगार व अन्य वक्ताओं के साथ चर्चा होगी। अन्य समानांतर सत्रों में दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, डीनोटिफाइड जनजातियां, बेघर, महिलाएं, ट्रांस, सेक्स वर्कर्स जैसे कमजोर व हाशिये पर जी रहे समुदायों के सामने आने वाले भोजन के अधिकार के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। दूसरे समानांतर सत्र में कृषि व भोजन का अधिकार, श्रम अधिकार, श्रम संहिता, काम का अधिकार, नरेगा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, खाद्य संस्कृतियां, भोजन के अधिकार पर डेटा संरक्षण अभियान के निहितार्थ, खाद्य सुरक्षा व्यावसायिक जोखिम व राजस्थान के विस्थापन आंदोलन आदि विषयों पर चर्चा की जाएगी।

आर-कैट टेक वर्कशॉप-समर कैंप का आयोजन 3 जून से

जयपुर। राजस्थान सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आर-कैट) कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों के लिए एक रोमांचक टेक वर्कशॉप-समर कैंप का आयोजन कर रहा है। जयपुर स्थित आर-कैट परिसर में 3 जून से शुरू होने वाला यह समर कैंप विद्यार्थियों को तकनीक की दुनिया में कदम रखने और भविष्य के लिए तैयार होने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।

इस समर कैंप में विद्यार्थियों को ग्राफिक डिजाइन, वेबसाइट डेवलपमेंट का परिचय, पायथन प्रोग्रामिंग का परिचय, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का परिचय, वीडियो एडिटिंग और कंटेंट क्रिएशन तथा नो-कोड प्लेटफॉर्म के माध्यम से मोबाइल ऐप डेवलपमेंट जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी।

यह समर कैंप छात्रों को तकनीकी कौशल विकसित करने और भविष्य की डिजिटल दुनिया के लिए तैयार होने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

3 जून से प्रतिदिन सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होने वाले इस नि:शुल्क समर कैंप के लिए विद्यार्थियों को सिक्योरिटी डिपॉजिट के रूप में 1000 रुपए जमा करवाने होंगे, जो वापसी योग्य हैं। समर कैंप में सभी पाठ्यक्रमों के लिए सीटें सीमित हैं।

सार-समाचार

नई अध्यक्ष बनीं श्रद्धा अग्रवाल

जयपुर। श्रद्धा अग्रवाल को वर्ष 2025-26 के लिए कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई)-इंडियन व्मेन नेटवर्क (आईडब्ल्यूएन), राजस्थान चैंपेर की अध्यक्ष और डॉ. सुदीपति अरोड़ा को उपाध्यक्ष घोषित किया गया है। श्रद्धा अग्रवाल एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) हैं और स्वास्थ्य कल्याण गुरु की सीईओ हैं। उन्होंने 2011 में सिर्फ 21 साल की उम्र में सीए की डिग्री हासिल कर ली और फिर हेयुप (कॉर्न फेरी) में कंसल्टेंट के तौर पर काम करने लगीं। वहां उन्होंने एजीक्यूटिव अर्वाइर्स, ऑर्गनाइजेशन रीस्ट्रक्चरिंग, वेरिएबल पे डिजाइन और लीडरशिप एंड डेवलपमेंट जैसे कामों की जिम्मेदारी संभाली। डॉ. सुदीपति अरोड़ा एक अनुभवी एनवायरमेंटल रिसर्च साइंटिस्ट हैं और जयपुर के डॉ. बी. लाल इंस्टिट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की डायरेक्टर हैं। वेस्ट मैनेजमेंट में विशेषज्ञता के साथ, खासतौर पर टोस और तरल कचरे का ट्रीटमेंट, उन्होंने वर्मीफिल्ट्रेशन टेक्नोलॉजी के जरिए प्राकृतिक तरीके से गंदे पानी के शोधन (ट्रीटमेंट) पर एक पेटेंट भी हासिल किया है। वह "प्रकृत: ए सेंटर ऑफ एक्सप्लेंस इन एनवायरमेंटल बायोटेक्नोलॉजी" की संस्थापक भी हैं और "प्रकृत सस्टेनेबल इंटीग्रेटेड फ़ाउंडेशन" नामक कंपनी की डायरेक्टर के रूप में कार्यरत हैं।

आठ जिलों में लगेगे 125 पशु चिकित्सा अधिकारी

जयपुर। पशुपालन विभाग जल्द ही प्रदेश के आठ जिलों में अस्थाई आधार पर 125 पशु चिकित्सा अधिकारी तथा 500 पशुधन निरीक्षकों की भर्ती करेगा। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि इन पशु चिकित्सा अधिकारियों एवं पशुधन निरीक्षकों की भर्ती आवश्यक अस्थाई आधार पर की जाएगी। उन्होंने बताया कि जोधपुर, फलीदी, बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, पाली, सिरोही एवं जालौर जिले में इन पशु चिकित्सा अधिकारी व पशुधन निरीक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। यह नियुक्ति तीन माह अथवा राजस्थान लोक सेवा आयोग से चयनित अभ्यर्थी के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, के लिए की जाएगी।

दुपहिया वाहन चुराने वाले दो वाहन चोर गिरफ्तार



बिंदायका थाना पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है।

जयपुर। बिंदायका थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक गिरोह के दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी का एक दुपहिया वाहन सहित वारदात में प्रयुक्त एक चौपहिया वाहन भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित

कुमार ने बताया कि बिंदायका थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले 24 वर्षीय दयानंद स्वामी उर्फ लाला निवासी करौली और 27 वर्षीय लोकेश उर्फ लोकेश उर्फ लुक्का निवासी गंगापुर सिटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों ही आरोपियों के खिलाफ जयपुर, करौली, चित्तौड़गढ़

के कई थानों में एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी का एक दुपहिया वाहन सहित वारदात में प्रयुक्त एक चौपहिया वाहन भी बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के सम्मान में तिरंगा यात्रा

जयपुर। ऑपरेशन सिंदूर की अभूतपूर्व सफलता और भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य एवं पराक्रम के सम्मान में आज जयपुर की किसानपोल विधानसभा में एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा देशभक्ति, एकता और जवानों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक बनी।



माणक चौक थाना पुलिस ने शांति नकबजन को पकड़ा है।

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) और माणक चौक थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक शांति नकबजन को पकड़ा है और उसके पास से चुराई गई चार सोने की अंगूठी भी बरामद की है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि सीएसटी और माणक चौक थाना पुलिस ने

नकबजनी करने वाले एक शांति नकबजनी 32 वर्षीय मोहम्मद कालू निवासी प्रागपुर जिला जयपुर ग्रामीण हाल गलता गेट को गिरफ्तार किया है और उसके पास से 21 मई को थाना इलाके में स्थित एक मकान का ताला तोड़कर चुराई ई चार सोने की अंगूठी गनीनों सहित बरामद की है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

पेंशन दिलाने का झांसा देकर वृद्धा का जेवर से भरा पर्स ले गई महिला

जयपुर। 10000 रुपए की पेंशन दिलाने का झांसा देकर एक वृद्धा से महिला ठग जेवरात से भरा पर्स ले गई। पीडिता ठग से सम्बंध में माणकचौक थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एसआई सोनम अग्रवाल कर रही है। पुलिस के अनुसार जंगजीत महादेव के पीछे नाहरगढ़ रोड चांदपोल बोलो आपके गहने उतार कर मुझे दे तो कोई बदमाश ले जाएगा वरना। महिला की बातों में आकर उसने कान में पहनी सोने की लड़ी, डायमंड लगा कान का

टॉप्स और एक सोने की अंगूठी उतारकर पर्स में रख दिया। रास्ते में चलने के दौरान मानसरोवर में महिला ने उसका ध्यान भटका कर गहनों से भरा पर्स पार कर लिया। पर्स में घर की चाबियां भी रखी थीं। महिला मौका देखकर वहां से चलती बनी। ठगी का अहसास होने पर पीडिता ने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती बताई। इस पर परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

#MYSTICISM

The Evil Eye Mystery That Spans Centuries and Continents

Exploring the ancient superstition that connects cultures, wards off envy, and still charms the modern world!



It's a small blue bead, often hung by doorways, pinned to clothes, or worn as a bracelet. Some see it as a charm, others as superstition. But one thing is certain, the belief in the evil eye is as old as civilization itself, and it's showing no signs of fading away.

From the streets of Istanbul to the homes of Rajasthan, the evil eye, often known by its Arabic name *nazar*, is believed to be a powerful force. It is said to be the negative energy or malevolent glare cast by someone who is envious, intentionally or not. And when that energy hits, things can go awry, sudden illness, broken relationships, or unexpected financial trouble.



A History Steeped in Fear

The evil eye isn't bound by religion or region. Its origins date back over 5,000 years to ancient Mesopotamia. References to the evil eye have been found in texts from ancient Greece and Rome, where philosophers like Plutarch theorized that the eye could emit invisible rays capable of causing harm. In

Islamic culture, the concept is mentioned in the Quran, while in Jewish tradition, it appears in the Talmud. Hindus refer to it as *drishti*, and many tribal cultures in Africa have their own interpretations. Despite differing names and rituals, the underlying belief is eerily consistent: jealousy invites misfortune.

Myths and Modern Magic

In Turkey, the iconic blue-and-white glass bead, known as *nazarboncugu*, is more than just an accessory. It's a cultural staple, handed to newborns and newweds alike. In Latin America, mothers tie red ribbons around babies' wrists to ward off evil glances. In India, black Kohl is applied behind the ears of children to "con-

fuse" bad spirits. Even today, the evil eye finds its place in pop culture and luxury fashion. From Meghan Markle wearing a protective evil eye necklace to celebrities launching jewellery lines based on the symbol, it has moved from rural folklore to global trend. But for many, it's not just aesthetic; there's belief beneath the bling.

Science, Skepticism, and Sentiment

Skeptics often attribute the belief to cognitive bias, when something bad happens, people need a reason. "It's easier to blame the evil eye than accept randomness," says cultural anthropologist Dr. Alka Mehra. Yet, the widespread acceptance of this idea across unrelated cultures has

intrigued even historians and psychologists. What makes the evil eye so enduring? Perhaps, it's the human tendency to personify misfortune. Or maybe, it's the comfort of a talisman in an unpredictable world. While science hasn't proven its power, millions continue to swear by it.

The Power of Belief

Whether you see it as ancient myth or spiritual truth, the evil eye remains a fascinating lens into how humans cope with envy, fear, and the unknown. In an age of AI and space exploration, its remarkable

that a centuries-old symbol still holds power in our hearts, and on our wrists. Maybe, it's not just about warding off evil. Maybe, just maybe, it's a quiet hope for protection in a world we can't always control.



Maj Gen Jagatbir Singh VSM (RETD)

Brigadier Mohinder Lal Whig, who hailed from a family with a strong military tradition, was born on 10 December 1925, to Shri Sardari Lal Whig and Iqbal Devi Budhwar, in Ludhiana, Punjab. His early education in Ludhiana laid the foundation for a life dedicated to service and discipline. He was commissioned into 5 GORKHA RIFLES on 12 September, 1948 from the Indian Military Academy, Dehradun as part of the Third Course and commanded 2/5 GORKHA RIFLES during the 1965 Indo-Pak War, where under his leadership, the Battalion played a pivotal role in the Battle of Charwar. Earlier in his career, he was the first Adjutant of the National Defence Academy.

In 1969, The United Services Institution of India had awarded him the MacGregor Medal for valuable military intelligence through reconnaissance, exploration, and other activities of national importance.

During the 1971 War, Brigadier Whig was commanding 121 (Independent) Infantry Brigade in Kargil which was under command of 3 Infantry Division, then located at Leh. It was here that he led daring high-altitude operations in the Kargil Sector.

Married to Rajiva Lakshmi Devi, they had a son Major Mohit Whig, who too was commissioned into 2/5 GORKHA RIFLES in June 1980, but unfortunately lost his life when his vehicle was blown up by an IED blast in Kupwara District of J&K in 1997. Brigadier Whig retired from Army on 31 Dec, 1979 and passed away on 19 Feb, 2010, in



DEDICATION, STRATEGIC ACUMEN, AND LEADERSHIP

New Delhi.

Kargil Sector

The Kargil Sector is bounded by the Deosai mountains in the North-West, Ladakh Range in the Northeast, Zaskar Range in the South and the Great Himalaya range in the South-West. Covering an area of approximately 6,720 sq km, it extends from Baltistan in the North to Zaskar in the South and from Zojila in the West to Fotu La in the East. Dras, Shingo, Indus and Suru are the main rivers of the region. The terrain is rugged and interspersed by deep and narrow gorges and ravines. The PoJK area opposite Kargil was served by a jeepable road from Gilgit via Skardu to Gangam, but the tenuous road communication limited Pakistan's capability to induct troops in the area, particularly during the winter. The Pakistani Commanders had, however, taken adequate defensive measures by laying minefields on likely approaches and raising fortifications around the picquets, mostly located at heights ranging from 3,960 to 4,880 metres. The Pakistani strength in this Sector was estimated at ten Companies, including two Wings of Karakoram Scouts and one Wing of Northern Scouts.

There is no vegetation at these heights, and climbing even a few meters involves great physical



The terrain is rugged and interspersed by deep and narrow gorges and ravines. The PoJK area opposite Kargil was served by a jeepable road from Gilgit via Skardu to Gangam, but the tenuous road communication limited Pakistan's capability to induct troops in the area, particularly during the winter.

bone marrow, and no amount of warm clothing seems adequate. What worried the Indian planners most was the potential threat to the Srinagar-Leh highway near Kargil, as the Pakistani Posts between Zojila and Haniskot overlooked it.

121 (Independent) Infantry Brigade Group, commanded by Brigadier ML Whig, was responsible for the defence of the Kargil Sector, and comprised three Battalions, viz. 7 GUARDS, 18 PUNJAB and 2/11 GORKHA RIFLES. Three more Battalions, namely 5/3 GORKHA RIFLES at Leh, 9 JAK Militia at Battalion HQ and 13 JAK Militia at Drass, were also deployed to support the Brigade. The Brigade Group was tasked to ensure the security of Srinagar-Leh road and to prevent infiltration astride the road, by capturing the surrounding hills and the area up to Olthing Thang near the confluence of the Indus and Suru/Shingo rivers. The initial plan visualised the capture of the Brachil Pass by 18 PUNJAB and Camels Back, Post 12 and

Black Rocks by 2/11 GORKHA RIFLES. The Battle

The Pakistani position at Brachil Pass, situated at a height of 4,280 metres, was a vast Complex extending over 1,000 metres. It comprised three features, viz. Left Shoulder, the Pass and Bahar Post on the Right Shoulder. The Complex was held in Company strength. 18 PUNJAB advanced silently and attacked the position at 0530 hours on 07 December. The defenders opened up with machine guns and other automatic weapons, but the Punjabis captured the Left Shoulder of the Pass at 1000 hours, after almost five hours of hand-to-hand and bunker-to-bunker fight. The Pakistani troops then concentrated on defending the Bahar Post on the Right Shoulder but could not stand up to the relentless assault of the Indian Battalion. By 1800 hours on 07 December, the whole complex of the Brachil Pass fell into Indian hands.

Post 12, located East of the Shingo river, at a height of approximately 4,040 metres, was strongly fortified and was held by two Platoons and a Section of MMGs. On the night of 06 December, 2/11 GORKHA RIFLES marched through a difficult approach and unterrified by small arms and LMG fire, closed on the Post. After a fierce hand-to-hand battle, the Gorkhas captured the Post at 0845 hours on 07 December. Black Rocks and Post 28 (Hamid) were also captured the same day. However, in



World Malaria Day

Even in these modern times, half the world still lives at risk of this fully preventable and treatable disease. While great strides against malaria have been made in the last couple of decades, there has been a bit of a plateau lately. The world still has very far to go towards wiping out this deadly illness. World Malaria Day was created by concerned citizens as a part of the strategy to do just that! Donate to efforts to stop these deaths by providing mosquito netting and treatment to commonly affected areas.



Attention was now devoted to the Posts located to the East of the Shingo River. The Post at Point 13620 was tactically vital as it gave Pakistanis a clear view of the Kargil Base and enabled them to fire at own troops in the plateau area. Post 13 (Laila) covered the approach to Point 13620 from the North and connected it with Black Rocks. The continuous shelling of the Post by Indian Artillery and Infantry Mortars, combined with air strikes (two each on 07 and 08 December) and the disruption of water supply, demoralised the Pakistani troops. When 2/11 GORKHA RIFLES launched an assault on 09 December, it found the Post deserted.

ing it with Hathimatha, were captured by a Company of 18 PUNJAB on 14 and 15 December respectively, after fierce fighting.

Attention was now devoted to the Posts located to the East of the Shingo River. The Post at Point 13620 was tactically vital as it gave Pakistanis a clear view of the Kargil Base and enabled them to fire at own troops in the plateau area. Post 13 (Laila) covered the approach to Point 13620 from the North and connected it with Black Rocks. The continuous shelling of the Post by Indian Artillery and Infantry Mortars, combined with air strikes (two each on 07 and 08 December) and the disruption of water supply, demoralised the Pakistani troops. When 2/11 GORKHA RIFLES launched an assault on 09 December, it found the Post deserted.

The operations conducted on 07, 08 and 09 December enabled them to firm in on the West and East of the Shingo River. But they were short of Olthing Thang, the main objective. A decision was, therefore, taken to launch an attack along the West Bank of the Shingo, to facilitate the advance to Bielargo, located on the Gangam-Olthing-Thang-Skardu road.



The operations conducted on 07, 08 and 09 December enabled them to firm in on the West and East of the Shingo River. But they were short of Olthing Thang, the main objective. A decision was, therefore, taken to launch an attack along the West Bank of the Shingo, to facilitate the advance to Bielargo, located on the Gangam-Olthing-Thang-Skardu road.

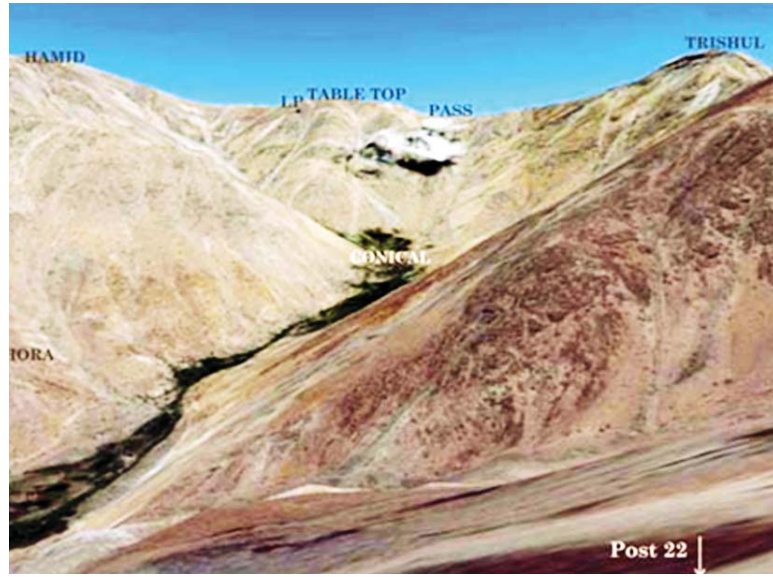
spite of the loss of Brachil Pass, the Pakistanis continued to interfere with the movement of the Indian troops on the spurs and the Pass. During the battle of the Pass, which lasted much longer than expected, they had set up some Posts to the West of the Shingo river. These Posts hindered the launching of the second phase of operations by 7 GUARDS, commanded by Lieutenant Colonel Gurindarjit Singh and were to transit through the Pass to advance towards Olthing Thang.

To facilitate the advance, 7 GUARDS captured Post 29 (Ghora), which was located on the spur leading to Karkit Nala from the Hamid Post, at 1630 hours on 07 December. An ad hoc Platoon of 7 GUARDS and 18 PUNJAB evicted the Pakistanis the same day from Posts 30, 31 and 32. The next day, 7 GUARDS captured the Trishul Post, which dominated the entire area in the Brachil Pass Complex. The Guards then cut off the Pakistani rear by capturing Point 3985, after a bitter fighting on the night of 10 December. To consolidate the position, West of Shingo River, Wall and Malik Posts located East of Trishul, the bridge connect

river. 5/3 GORKHA RIFLES then cleared Posts 16, 17 and 18 on the Eastern Bank by 1800 hours on 11 December, while well-fortified Posts 19, 20 and Lakar were captured by them on the night of 12 December. One Company of 18 PUNJAB succeeded in capturing Post 43 on 13 December. The Indian troops further extended their hold to the East of the Shingo River with the capture of Sher Quila by 9 JAK Militia on 15 December. On the left of that river, some Pakistani Posts, though encircled by the Punjabis, held out in the Hathimatha Complex (Posts 21, 22, 23 and 24). Finally, a Company of 5/3 GORKHA RIFLES attacked the Complex from the rear and captured it on 17 December.

All hurdles on the way to Bielargo had thus been cleared, but it could not be captured due to the ceasefire. By the end of the war, India had captured 36 out of 80 Pakistani Posts and approximately 110 sq km area in the Kargil Sector. The enemy line of defence had been shattered, and the Brigade was now poised for an offensive on Olthing Thang. Brigadier Whig's leadership had inflicted heavy casualties on the enemy and secured large quantities of arms and ammunition. During these operations, 114 Pak troops were killed and 32 made Prisoners of War. The Indian casualties were estimated at 55 killed, 195 wounded and 28 missing. In recognition of his outstanding leadership, Brigadier Whig was awarded the Maha Vir Chakra. Brigadier Whig's military career is a testament to unwavering dedication, strategic acumen, and exemplary leadership. His contributions during the 1965 and 1971 wars have left an indelible mark on India's military history. The battle honours and accolades earned under his command continue to inspire generations of soldiers. His legacy is further carried forward by the sacrifices of his son, Major Mohit Whig, reflecting a family's profound commitment to the nation's service. Brig Whig's life story serves as a beacon of courage and patriotism, embodying the highest traditions of the Indian Army.

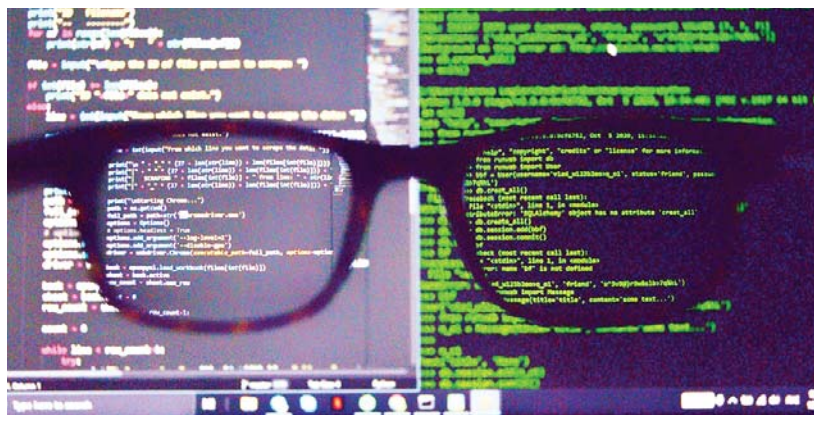
rajeshsharma1049@gmail.com



#TECHNOLOGY

Meet Codex: OpenAI's Code, Cracking AI That Works Like a Teammate

Imagine if your coding assistant could not only suggest solutions but actually write, debug, test, and even update your software, without you lifting a finger. That's exactly what OpenAI's newest AI marvel, Codex, is designed to do. Launched on May 16, 2025, Codex isn't just another code autocomplete tool, it's an autonomous AI coding agent that behaves like a junior software developer, ready to take on tasks in parallel, follow instructions in plain English, and even propose pull requests. And yes, it can multitask.



What Exactly Is Codex?

Codex is OpenAI's latest AI coding agent, running on the codex-1 model, a tailored version of its advanced GPT reasoning engine,

fine-tuned for software development. But Codex doesn't just spit out code snippets, it actually gets to work like a real developer.

Here's what it can do

- Write and deploy new features
- Fix bugs in your codebase
- Run and evaluate test cases
- Answer questions about existing code
- Suggest structured pull requests ready for review

Each job Codex handles spins up in a secure, isolated cloud environment loaded with your project repository. That means your main codebase stays safe, and Codex works like a remote teammate who brings their own tools and workspace.

Chatting with Codex Is Like Messaging Your Developer Friend

Integrated directly into ChatGPT, Codex makes it super intuitive to collaborate. Just type what you want it to do like "add a login function" or "find the bug in this code," and Codex

will handle it. Don't know the right technical lingo? No problem. You can talk to Codex in natural language. It understands you and translates your requests into smart, functional code.

What Makes Codex Special?

1. **Multitasking Magic:** Codex can juggle several development tasks at once. For instance, it could be fixing a typo in one file while writing tests in another, something even human developers find taxing.
2. **Autonomous Workflows:** Codex isn't waiting for you to approve each step. It reads the

repo, makes changes, tests them, and suggests improvements all on its own. You just need to review its work.- 3. **Personalized to Your Team's Style:** Working with a team that has a strict code style or documentation standard? Codex can learn and adapt to it, helping enforce consistency across your projects.



Where Can You Use Codex?

As of now, Codex is available in ChatGPT for Pro, Enterprise, and Team users under a research preview. It runs in the cloud, ensuring your computer doesn't need heavy processing power to benefit from this AI developer. OpenAI has announced plans to bring it to ChatGPT Plus and Edu subscribers soon.

A Competitive Edge

With Codex, OpenAI isn't just making waves, they're challenging the likes of Google's Gemini Code Assist and Anthropic's Claude Code. The AI coding tools space is heating up, but Codex stands out by offering a truly agentic experience. It doesn't just help, it does.



What's Next for Codex?

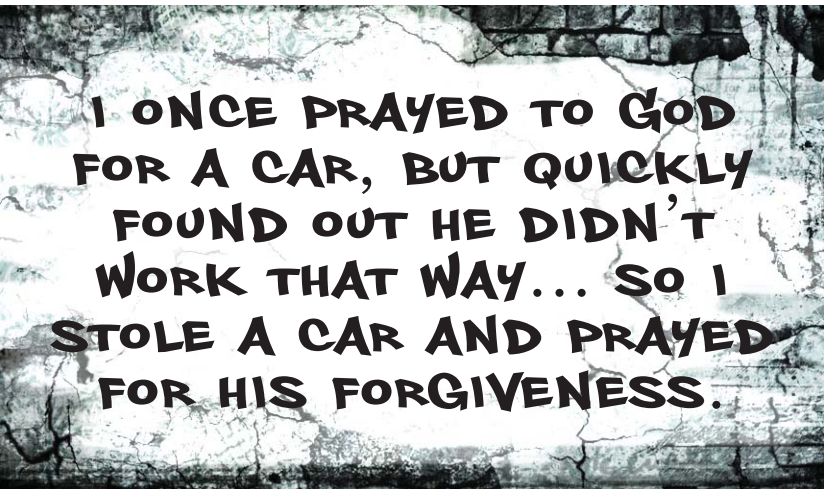
OpenAI sees Codex as just the beginning of a broader vision: AI agents that can collaborate like teammates, take ownership of technical tasks, and support developers in increasingly complex projects. The current release is a research preview, meaning feedback is crucial. OpenAI encourages developers to test it out, push its boundaries, and help shape how Codex evolves.

Final Thoughts

Codex isn't here to replace developers, it's here to amplify them. By taking over repetitive and time-consuming tasks, Codex frees up engineers to focus on big-picture thinking, creative solutions, and faster innovation. So, whether you're a startup founder, a solo coder, or part of a massive team, Codex might just become your favourite new coworker, one who never sleeps, never complains, and always ships clean code.

By Jerry Scott & Jim Borgman

THE WALL



BABY BLUES

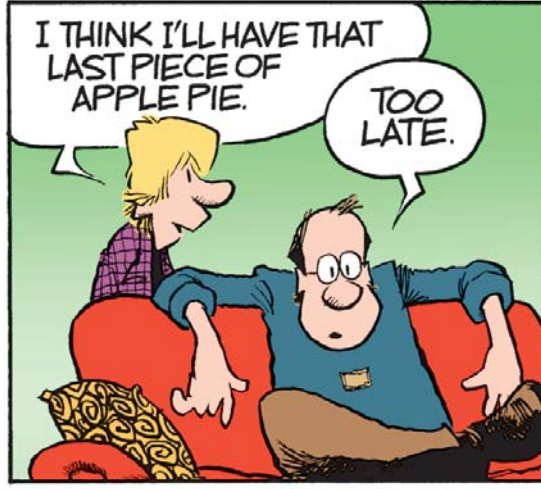


ZITS

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS



संक्षिप्त

श्री अग्रसेन भवन का लोकार्पण 28 मई को

शाहपुर। शाहपुर शहर के बाबा श्याम मंदिर के पीछे एमडीआर रोड पशु चिकित्सालय के सामने अग्रवाल समाज समिति शाहपुरा द्वारा नवनिर्मित श्री अग्रसेन भवन का लोकार्पण 28 मई को सुबह 11:00 होगा। अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष महेश चंद बजाज व सचिव राजेंद्र चुड़ुला ने बताया कि लोकार्पण त्रिवेणी धाम के संत खोजीद्वाराचार्य राम रिछपाल दास जी महाराज व खोरी परमानंद धाम के संत हरि ओम दास जी महाराज के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। समिति के उपाध्यक्ष कल्याण चंद गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सांसद राव राजेंद्र सिंह, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल रायण गर्ग,विधायक मनीष यादव, पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, नगरपरिषद सभापति बंशीधर सैनी होंगे। कोषाध्यक्ष आशीष माऊरमका ने बताया कि आठवां रामायणपाठ मंगलवार को सुबह 9:00 बजे, हवन पूर्णाहुति बुधवार को सुबह 9:00 बजे, इसके बाद सुबह 11:00 बजे भवन का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित होगा।

निःशुल्क योगा

क्लास शुरू

श्रीमाधोपुर। विश्व योग दिवस के मध्यनजर राजकीय ब्लाक आयुष चिकित्सालय श्रीमाधोपुर में रोज योगा करवाया जायेगा। डा. चंद्र प्रकाश व्यास ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मध्यनजर अब एक माह तक प्रतिदिन प्रातः 7 से 8 बजे तक योग प्रशिक्षण दिया जाएगा।पंचवटी, गजानंद काम्पलेक्स के सामने स्थित आयुष चिकित्सालय में रोज योग प्रशिक्षक पुष्कर सैनी योगाभ्यास करवायेंगे।सभी नागरिकों सेआग्रह किया है कि वे प्रतिदिन प्रातः पधारकर योग का लाभ लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी हेतु चिकित्सालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

मण्डल विधान का धूमधाम से हुआ आयोजन

निवाड़ा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन नसीयां मंदिर में आर्थिका विशेषमति माताजी के सानिध्य में शनिवार से दो दिवसीय कार्यक्रम को लेकर मां पद्मावती एवं मानभद्र क्षेत्रपाल की नवीन वेदीयों की स्थापना एवं विश्वशांति हवन का आयोजन किया जाएगा। जैन धर्म प्रचारक विमल जौला व सुनिल भाणजा ने बताया कि शनिवार को सुबह देवाळा, गुरुआत्मा, टिकपाल अर्चना, आचार्य निमंत्रण, वेदी शुद्धि संस्कार, वास्तु पूजन, पट बंधन एवं मां पद्मावती एवं मानभद्र क्षेत्रपाल मण्डल विधान, सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा गोद भराई, जौला अर्पण एवं आरती का आयोजन किया गया। पंडित सुरेश शास्त्री ने बताया कि रविवार को जांधघारा, नित्य पूजन, विश्वशांति हवन, नवनिर्मित वेदी में मां पद्मावती एवं मानभद्र क्षेत्रपाल जी को विरामान किया जाएगा।

तैयारियां

जोरों पर

निवाड़ा।दिगम्बर जैन महासमिति संभाग निवाड़ा महिला अंचल एवं महिला ईकाई निवाड़ा के तत्वावधान में धार्मिक संस्कार शिवांग शिविर का समापन समारोह आयोजित किया जाएगा जिसके मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र जैन पांडेया, राजस्थान अध्यक्ष अनिल जैन आईपीएस, राकेश गोदिका, मनीष बैद, महिला अंचल अध्यक्ष शकुंतला बिन्दायका, मंत्री सुनीता गंगवाल, कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन, टोंक संभाग अध्यक्ष नवीन लुहाडिया, सरावगी समाज अध्यक्ष शिखरचंद कारा, महिला ईकाई अध्यक्ष टोंक सरोज बंसल व पूर्व चेयरमैन टोंक लक्ष्मी जैन सहित कई पदाधिकारी समापन समारोह में भाग लेंगे। जैन धर्म प्रचारक विमल ने भाग लेंगे। जैन धर्म प्रचारक विमल कि शिविर के समापन समारोह की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही है।

नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

कोटपूतली। राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में शनिवार को नशा मुक्त करने व स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु जन जागरूकता के लिये नशा मुक्ति केन्द्र स्थापित किया गया। प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया व नशा मुक्ति की शपथ दिलायी। पूर्वी में गठित नशा मुक्ति समिति के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर नशा मुक्ति की ई-शपथ हेतु क्यू.आर. कोड चस्पा किये। इस दौरान प्रो. अनुभा गुप्ता, डॉ. गजराज सिंह, प्रो. शुभलता यादव, प्रो. जितेन्द्र यादव, प्रो. हरिराम धनेटिया, प्रो. संदीप कुमार आर्य, भारत भूषण गौड़ आदि संकाय सदस्य उपस्थित रहें।

‘ऑपरेशन सिंदूर में सेना का पराक्रम इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज होगा’

कोटपूतली। ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम के सम्मान में कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में विधायक हंसराज पटेल के नेतृत्व में शनिवार को भव्य एवं विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस मौके पर विधायक हंसराज पटेल व भाजयुमो के पूर्व प्रदेश महामंत्री देवायुष सिंह ने कस्बे के बानसूर रोड़ स्थित कृषि उपज मण्डी परिसर से ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा का शुभारम्भ किया। यह तिरंगा यात्रा शनिवार सायं 04 बजे बानसूर रोड़ स्थित कृषि उपज मण्डी परिसर से प्रारम्भ होकर राठौड़ पार्क, कृष्णा टॉकीज, मुख्य चौराहा होते हुये नगर परिषद पार्क में पहुँचकर समाप्त हुई। तिरंगा यात्रा में अपार लोग व उत्साह के साथ वर्तमान व पूर्व जिला परिषद

श्रमण संस्कृति शिविर का हुआ आगाज

निवाड़ा। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान में मुनि सुधासागर महाराज के पावन आशीर्वाद से श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। शनिवार को प्रेमचंद गिन्दोड़ी, सुनिल भाणजा, रामपाल चर्वरिया, राधेश्याम कडमाण, मुकेश जैन, विनोद वनस्थली व कमलेश बुखारी द्वारा आचार्य शांतिसागर महाराज व आचार्य विद्यासागर महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन करके शिविर का शुभारंभ किया गया एवं मां जिनवाणी की स्थापना की गई। जिसमें कई प्रांती से पधारे शास्त्री विद्वानों द्वारा 8 दिवसीय नैतिक मूल्य, जैन दर्शन व गूढ़ रहस्यों को समझाया जाएगा। क्षेत्रीय प्रभारी पंडित सुरेश शास्त्री ने बताया कि 24 मई 31 मई तक आयोजित शिक्षण शिविर में सभी बच्चों युवा एवं वरिष्ठ जनों को शिविर में पढ़ाया जाएगा। प्रातः काल जिनाभिषेक, विभिन्न विषयों की कक्षाएं जिसमें बाल बोध, छहद्वाला, इष्टोपदेश, तत्वार्थ सूत्र, द्रव्य संग्रह व रत्नकरण्ड श्रावकार का अध्ययन करवाया जाएगा।

नवनियुक्त भाजपा मंडल अध्यक्षों ने विधायक रामसहाय वर्मा का जताया आभार

निवाड़ा। भाजपा मंडल के नवनियुक्त अध्यक्षों ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ ढोल नगाडों के साथ महावीर कॉलोनी स्थित विधायक निवास पहुंचे। जहां पर भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष नितिन जैन छावड़ा, डांगरथल मंडल अध्यक्ष केदार चौधरी व पीपलू मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों

■ 101 किलो की माला पहनाई

भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक रामसहाय वर्मा का 101 किलो फूलों से बनी हुई माला और साफा पहनाकर स्वागत किया।

इस दौरान मंडल अध्यक्षों ने विधायक को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। शहर मंडल अध्यक्ष नितिन छावड़ा ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेताओं व निवाड़ी पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा, जिला अध्यक्ष चंद्रवीरसिंह चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक आम कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी के प्रति आने

चयन की निरस्त करने के आदेश पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

शाहपुर। शाहपुरा के गांव स्वामीपुरा निवासी अनिता स्वामी के मामलें में हाई कोर्ट ने इसके चयन को निरस्त करने के 24 अप्रैल के आदेश पर रोक लगा दी है तथा याचिकाकर्ता को पुनः कार्यग्रहण करवाने के निर्देश दिए हैं।साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग के शासन सचिव, निदेशक सहित दो अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता के अनिता स्वामी के अधिकारों संदीप कलवानिया ने बताया कि प्रार्थियां राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग में महिला पर्यवेक्षक के पद के लिए निकाली गई भर्ती में सम्मिलित हुई थी। भर्ती में चयन होने के उपरांत विभाग ने 28 मार्च को नियुक्ति आदेश जारी किया था। जिसमें प्रार्थियां को परियोजना पावटा आवंटित कर दिया गया। प्रार्थियां ने नियुक्ति आदेश की पालना में 1 अप्रैल 2025 को परियोजना पावटा में कार्यप्रणण कर लिया। इसके पश्चात विभाग ने 24 अप्रैल को आदेश जारी कर प्रार्थियां को भर्ती के लिए अपात्र मानते हुए।



विधायक हंसराज पटेल के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया।

सदस्य, प्रधान, उप प्रधान, पंचायत समिति सदस्य, नगर परिषद के वार्ड पार्षद, सरपंचगण, भाजपा के सभी मोर्चा व मंडलों के अध्यक्ष,

पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं समेत सैनिक व पूर्व सैनिक एवं आमजन ने भाग लिया। इस दौरान सेना के शौर्य के सम्मान में देश भक्ति नारों से माहौल

बच्चों के खेल खेल में विवाद, दो पक्षों में जमकर मारपीट

पावटा। उपखंड पावटा क्षेत्र के तन ग्राम टसकोला की ढाणी चक्रतीर्थ में दो पक्षों में बच्चों का खेल खेल में विवाद हो गया। जिसे लेकर कुछ ही मिनट में विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने अपने साथियों के साथ मिलकर आपस में लाठी डंडों से जमकर पिटाई की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। जिसके एक पक्ष के लोगे दूसरे पक्ष के साथ मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे है।

फिलहाल प्रागपुरा थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत लेकर और वीडियो के आधार पर जांच पड़ताल शुरू कर दी। दरअसल, उपखंड पावटा क्षेत्र के तन ग्राम टसकोला की ढाणी चक्रतीर्थ निवासी प्रदीप स्वामी पुत्र जगदीश स्वामी ने 22 मई गुरुवार को प्रागपुरा थाना पुलिस में उपस्थित होकर मामला दर्ज करवाया था कि वह पावटा कस्बे में फालतु का काम करता है। शाम करीब उसके पास घरवालों का फोन आया कि उनके साथ मारपीट हो गई है।

■ मनीष स्वामी ने सोशल मीडिया पर प्रागपुरा थाना पुलिस पर मौके पर नहीं पहुंचने व गुमराह कर मामला दर्ज नहीं करने के लगाए आरोप

जब घर जाकर देखा तो सत्यनारायण स्वामी, मनोहर स्वामी, रोहित पुत्र सत्यनारायण स्वामी, मनीष पुत्र सत्यनारायण स्वामी, अंजु पत्नी मनीष, विमला पत्नी सत्यनारायण स्वामी घर में घुसकर मेरे माता- पिता, मेरे भाई की लड़की अनीषा, मनीषा, व उसके 16 वर्षीय पुत्र गणेश को मार रहे थे। वहीं उन्होंने भाई की लड़की अनीषा, मनीषा के साथ अभद्रता व लज्जा भंग का आरोप भी लगाया। वहीं भाई के 16 वर्षीय पुत्र गणेश को मनोहर स्वामी द्वारा गला चोटकर जान से मारने का व परिवार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया।

उन्होंने बताया कि आस पड़ोस के लोगों व अन्य परिजनों ने छुड़वाया । मेरी मां चोट लगने से बेहोश हो गई।

■ भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन

■ सेना के शौर्य के सम्मान में देश भक्ति नारों से गुंजायमान हुआ माहौल, उमड़ा देश भक्ति का सैलाब

गुंजायमान हो उठा, तिरंगा यात्रा में देश भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम् और भारतीय सेना जिंदाबाद के नारे लगाये। यात्रा का जगह-जगह क्षेत्रवासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। तिरंगा यात्रा में प्रशासन की भी माकूल व्यवस्था रही। इस मौके पर विधायक हंसराज पटेल ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा भारतीय सेना के प्रति सम्मान और देश भक्ति की भावना को प्रकट करने के उद्देश्य से आयोजित की गई

थी, जिसे लेकर क्षेत्रवासियों में जबरदस्त उत्साह और गर्व की भावना देखने को मिली। पटेल ने कहा कि भारतीय सैन्य शक्ति ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूत करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश जो पहले भारत को आंध उठाकर देखा करते थे वो आज भारत के खिलाफ किसी भी प्रकार का दुस्साहस करने से कतराते हैं। उन्होंने कहा कि यह जन सैलाब यात्रा भारतीय सेना के सम्मान में निकाली गई है।

बच्चों के खेल खेल में विवाद, दो पक्षों में जमकर मारपीट

जब घर जाकर देखा तो सत्यनारायण स्वामी, मनोहर स्वामी, रोहित पुत्र सत्यनारायण स्वामी, मनीष पुत्र सत्यनारायण स्वामी, अंजु पत्नी मनीष, विमला पत्नी सत्यनारायण स्वामी घर में घुसकर मेरे माता- पिता, मेरे भाई की लड़की अनीषा, मनीषा, व उसके 16 वर्षीय पुत्र गणेश को मार रहे थे। वहीं उन्होंने भाई की लड़की अनीषा, मनीषा के साथ अभद्रता व लज्जा भंग का आरोप भी लगाया। वहीं भाई के 16 वर्षीय पुत्र गणेश को मनोहर स्वामी द्वारा गला चोटकर जान से मारने का व परिवार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया।

माली सैनी विचार संगम संस्थान द्वारा चिंतन शिविर आज

श्रीमाधोपुर। समाज में समय-समय-पर माली सैनी समाज एवं समाजबंधुओं के साथ हो रहे अन्यायों के विरुद्ध एकजुट रहने और निरंतर आत्मचिंतन के माध्यम से सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, अखिल भारतीय माली सैनी विचार संगम संस्थान द्वारा एक विशेष पहल की जा रही है।संस्थान की नियमित ऑनलाइन गूगल मीट बैठकों में अब फिजिकल रूप पर लाकर समाज के बीच सीधा संवाद स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है।

इसी उद्देश्य से एकदिवसीय कार्य योजना एवं सामाजिक चिंतन शिविर का आयोजन 25 मई रविवार को प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक हिरा वैली रिसोर्ट, सोडाला, जयपुर में किया जा रहा है।कार्यक्रम के संयोजक रूडूमल सैनी ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य थीम "सामाजिक एकजुटता एवं सामाजिक जागरूकता" रहेगी। यह शिविर माली सैनी समाज के सभी वर्गों समाजसेवियों, सामाजिक चिंतकों, अधिवक्ताओं, सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों, व्यापारी वर्ग व

बुद्धिजीवियों के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवेन्द्र कछवाह, पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं वर्तमान चेयरमैन, राजस्थान राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग रहेंगे एवं विशिष्ट अतिथिगण प्रेमसुख टाक, इंद्र राज सैनी, मनफुल सिंह सैनी, ऑंकार मल सैनी रहेंगे। कार्यक्रम के सहसंयोजक विप्लव टाक किशोर सैनी एवं सुरेश सैनी ने बताया की राजस्थान ही नहीं, संपूर्ण देश के माली सैनी समाज के सभी जागरूक, विचारशील एवं सामाजिक रूप से सक्रिय समाजबंधु इस चिंतन शिविर में सादर आमंत्रित है।कार्यक्रम के सह सहयोजक डॉ अनजय सैनी ने बताया की सैनी समाज द्वारा आयोजित संगोष्ठी केवल एक सामाजिक मिलन नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेनना और विकास की दिशा में सामूहिक प्रयास होता है। इसमें भाग लेने से समाज के प्रत्येक सदस्य को कई स्तरों पर लाभप्राप्त होते हैं संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनलाल सैनी ने सभी समाज बंधुओ से कार्यक्रम में सम्मिलित होकर सफल बनाने का आग्रह किया।

ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे कार्यक्रम

अलवर । केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव द्वारा 25 मई एवं 26 मई को संसदीय क्षेत्र अलवर की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 'सांसद संपर्क संवाद यात्रा' कार्यक्रम का आयोजन होगा, केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं तथा अन्य मुद्दों के संबंध में आमजन से संवाद कर उनकी समस्याओं का निस्तारण करेगी।

कलक्टर शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रमसुसार 25 मई को प्रातः 7:30 बजे से प्रातः 9 बजे तक अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रा की ग्राम पंचायत दिली में संवाद कार्यक्रम होगा जिसमें ग्राम पंचायत कलसाडा, लिली व ग्राम पंचायत रामगढाखेडा के गांव शामिल रहेंगे। इसके पश्चात् सांय 4 बजे से सांय 5:30 बजे तक राजगढ-लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्रा की ग्राम पंचायत पाटन के अटल सेवा केंद्र पंचायत भवन के पास प्रात में ग्राम पंचायत चटनरा, छिलोड़ी, बिलेटा व राजपुर छोटा के लिए सांसद संपर्क संवाद यात्रा कार्यक्रम आयोजित होगा।

सार-समाचार

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष पद के चुनाव आज

निवाड़ा। अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष पद के लिए रविवार को चुनाव संपन्न होंगे। जिसकी तैयारियां जोर शोर पर चल रही है। जिलाध्यक्ष प्रत्याशी कालुराम जांगिड़ ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर शक्तिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित मतदान करवाने के लिए 2 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। जिसको लेकर निवाड़ी विश्वकर्मा मंदिर व टोंक में विश्वकर्मा मंदिर में बृथ स्थापित किए हैं। उन्होंने बताया कि करीब 9।7 मतदाता रविवार को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक मतदान करेंगे। उसी दिन 5:30 बजे से मतगणना होगी। मतगणना के तुरंत बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कालुराम जांगिड़ व हनुमान जांगिड़ जिलाध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर सभी मतदान केंद्रों पर संपूर्ण व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रत्याशी कालुराम जांगिड़ ने समाज के लोगों को अधिकधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

‘सम्मान से बढ़ता है प्रतिभाओं का हीसला’

मनोहरपुर। ग्राम लोचूकाबास स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह प्रधानाचार्य मनोज शर्मा के सानिध्य में हुआ। इस दौरान विद्यालय स्टाफ ने प्रतिभाओं के घर जाकर उन्हें अभिभावकों सहित माला एवम् साफा पहनाकर, मिठाई खिलाकर उनके सुखद भविष्य की कामना की। सरकारी विद्यालय की कला वर्ग की ब्लॉक टॉपर मनीषा यादव पुत्री सीताराम यादव 97.2 प्रतिशत, ब्लॉक सेकेंड टॉपर मनीषा यादव पुत्री रामचंद्र यादव 96 प्रतिशत, आरती यादव 94.4 प्रतिशत, विकास यादव 94.4 प्रतिशत, अर्चना वर्मा 93.6 प्रतिशत, टीना यादव 92.6 प्रतिशत, साक्षी यादव 92.4 प्रतिशत, किस्मत यादव 92 प्रतिशत सहित अन्य विद्यार्थियों का सम्मान किया। विद्यालय के कला वर्ग के कुल 14 विद्यार्थियों में से सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। इस मौके पर प्रधानाचार्य मनोज शर्मा व्याख्याता रोहिताश्व डूडी, राहुल शर्मा ,रामकरण ढबास,अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी हरलाल सिंह, शंकर लाल यादव ,भवानी शंकर कौशिक, बाबूलाल बुनकर, विमल कुमार शर्मा, मुकेश यादव सहित अभिभावक मौजूद रहे।

विशाल केसरिया ध्वज रैली निकाली

अलवर। आज समस्त करणी सेनाओं के नेतृत्व में "चक्रवर्ति क्षत्रिय सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 859वीं जयन्ती" के अवसर पर विशाल केसरिया ध्वज रैली निकाली गई। श्री राष्ट्रीय राजपूत करनी सेना, अलवर जिलाध्यक्ष देवेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि विशाल केसरिया ध्वज रैली सांय 4:30 बजे राजपूत छात्रावास परशुराम सर्किल, अलवर से प्रारम्भ होकर अशोका टाकीज, त्रिपोलिया, होप सर्कस, घण्टाघर, मन्त्री का बड़ होते हुए कम्पनी बाग स्थित शहीद स्मारक पर पहुँची रैली में हजारों की संख्या में राजपूत समाज के गणमान्य लोग शामिल रहे। रैली में डी.जे., झाँकी, दुपहिया व चौपहिया वाहन सहित युवा उत्साह से पंक्तिबद्ध होकर चलते रहे। रैली को सफल बनाने में दीपक सिंह तेंवर, लक्ष्मेश सिंह, पवन सिंह निर्वाण, जितेन्द्र सिंह, विक्रम सिंह टिटपुरी, भूपेन्द्र सिंह, गजेन्द्र सिंह बडेर, टोन्तु, अटुल राजावत ने सहयोग किया।

आज आयोजित होगी तिरंगा यात्रा

पावटा। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सेना के शौर्य और पराक्रम के सम्मान ने आज विराटनगर में जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह, विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड, जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल की गरिमावीय उपस्थिति में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। तिरंगा यात्रा में विभिन्न सामाजिक धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि व्यापार संघ के पदाधिकारी गण सहित छात्र, युवा, महिलाओं सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता भाग लेंगे। तिरंगा यात्रा विराटनगर पंचायत समिति से प्रारंभ होकर शहर के सड़कों को देशभक्ति के जज्बे में सरोवर करते हुए शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई विराटनगर सुभाष चौक पर जाकर ऑपरेशन सिंदूर में शामिल हूँ जवानों और शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि के साथ संपन्न होगी । जैनकार्य में देते हुए कार्यकर्ता के यात्रा के जिला संयोजक अमित बडबडवाल ने बताया कि आने वाले दिनों में देश के चोरो और शहिदों को प्रणाम करने के लिए सेवा का अभिवादन करने के लिए विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जायेगा।

प्रतिभाओं का किया सम्मान

निवाड़ा। आदर्श उच्च माध्यमिक विद्या मंदिर शिवाजी कॉलोनी का 12 वीं बोर्ड कला वर्ग व विज्ञान वर्ग का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहनलाल स्वामी ने बताया कि कला वर्ग में छात्र अरविंद बैरवा ने 93.60 प्रतिशत, रोहित मीणा ने 93 प्रतिशत, ललित सैनी ने 92.40 प्रतिशत, आयुषी कुमावत ने 92.20 प्रतिशत, रिमहिमा दाधीच ने 89.20 प्रतिशत व बेनी प्रसाद मीणा ने 89.80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इसी प्रकार विज्ञान वर्ग में नेहा परवीन ने 91.80 प्रतिशत, तनीषा अग्रवाल ने 92 प्रतिशत, हर्षित शर्मा ने 90 प्रतिशत, अश्विता मीणा ने 89.20 प्रतिशत, कोमल चौधरी ने 89 प्रतिशत तथा अरिहंत जैन ने 87.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। इसको लेकर विद्यालय परिवार ने शुक्रवार को सभी प्रतिभाओं का सम्मान किया। इस अवसर पर त्रिलोकचंद जैन, रामकृष्ण स्वामी, अनसूया स्वामी, आसराणी समाज, रामफूल सैनी व देवनारायण स्वामी सहित प्रबंध समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

टॉपर्स विधार्थियों को किया सम्मानित

श्रीमाधोपुर। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीमाधोपुर में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 के टॉपर्स 29 विद्यार्थियों को विद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया। इसी विद्यालय के शुभम सैनी ने 93.20 अंक प्राप्त कर स्कुल का व गांव का नाम रोशन किया है सैनी ने बताया कि मेरे पिताजी टेलर का काम करते हैं व मां ग्रहणी है। पिता उदय सिंह सैनी ने बताया कि पांच बहनों का इकलौता भाई है । विद्यालय प्रधानाचार्य राजेश कुमार अंकुर ने छात्र शुभम के साफा माला पहनाकर व पेन , डायरी देकर मिठाई खिलाकर के सम्मानित किया। प्रधानाचार्य अंकुर ने हरवर्ष की भांति इसवर्ष भी उत्कृष्ट परिणाम के लिए सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों शुभकामनाएं देते हुए हमेशा मेहनत करने का सन्देश दिया व आभार व्यक्त किया। विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों व अभिभावकों का भी सम्मान किया गया । प्रधानाचार्य राजेश कुमार अंकुर ने कहा टॉपर तनिषा कुमावत को अपने खर्च से हवाई यात्रा करवाये गे ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

भरतपुर। भरतपुर में 21 जून को 11 वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा जिसका कांउंट डाऊन प्रोग्राम 20 मई से 20 जून तक मनाया जा रहा है। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई मिटिंग में सभी विभागों को पूर्ण मनोयोग से अपनी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये । डॉ। हन्टू शर्मा उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग भरतपुर के द्वारा योग के बारे में अपने विभागीय कर्तव्यों के बारे में बताया गया एवं सभी से अनुरोध किया गया कि योग दिवस को सफल बनाने हेतु जन मानस में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जावे । डॉ।शर्मा ने बताया कि वर्तमान मै आयुर्वेद के सभी औषधालय चिकित्सान्यों में प्रतिदिन प्रातः योग प्रशिक्षकों द्वारा योग क्रिया करवायी जा रही है। अधिक से अधिक लोग इससे जुड़े एवं योग से होने वाले लाभ प्राप्त करें ।

तिरंगा यात्रा का कार्यक्रम किया

दूदू। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर दूदू नगर पालिका मुख्यालय पर भाजपा मंडल पश्चिम के युवा कार्यकर्ताओं द्वारा तिरंगा यात्रा का कार्यक्रम किया गया यात्रा का शुभारंभ नरेनरा रोड स्थित बीएसएनएल टावर से किया जाकर मुख्य मार्ग से होते मालपुरा रोड स्थित एक निजी गार्डन तक निकाली गई यात्रा के दौरान युवाओं ने जोश के साथ भात माता की जय वंदे मातरम् के नारे लगाए यात्रा के माध्यम से शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई इस दौरान सम्मानित संगठनों व्यापारियों एवं नागरिकों ने भी भाग लिया

अतिक्रमण हटाकर रास्ता खोला

दूदू। निकटवर्ती बिचून् एवं मोखमपुरा ग्राम पंचायत क्षेत्र के अधीन जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी के निर्देश अनुसार चलाए जा रहे रास्ता खोलो अभियान के तहत राजस्व विभाग की टीम ने बिचून् से मोखमपुरा जाने वाले पुराने रास्ते से खातेदारों को समझाईश कर सहमति से अतिक्रमण हटाकर रास्ता खोला गया कई दिनों से बंद पड़े रास्ते को खुलने के बाद लोगों के चेहरे पर खुशी आई इस दौरान गिरदावर भंवरलाल शिवराम शर्मा गोपाल मीणा पटवारी एवं सरपंच खातेदार मौजूद रहे।



दिल्ली ने पंजाब को 6 विकेट से हराया

टॉप-2 फिनिश की उम्मीदें कम, रिजवी ने फिफ्टी लगाई, मुस्तफिजुर को तीन विकेट



जयपुर, 24 मई। दिल्ली कैपिटल्स ने के 66वें मैच में पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया। इस हार ने प्लेऑफ में पहुंच चुकी का टॉप-2 में फिनिश करना मुश्किल कर दिया। वहीं दिल्ली ने 15 पॉइंट्स के साथ 5वें नंबर पर रहकर अपना लीग स्टेज फिनिश किया। टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में शनिवार को दिल्ली ने बॉलिंग चुनी। पंजाब ने 8 विकेट खोकर 206 रन बनाए। श्रेयस अय्यर ने 53 और मार्कस स्टोयनिस ने 46

रन बनाए। दिल्ली ने 19.3 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। समीर रिजवी ने फिफ्टी लगाई। करुण नायर ने 44 रन बनाए। टीम से मुस्तफिजुर रहमान को 3 विकेट मिले।

20वें ओवर की तीसरी गेंद पर समीर रिजवी ने मार्कस स्टोयनिस के खिलाफ छक्का लगाया और टीम को 6 विकेट से जीत दिला दी। रिजवी ने 5 छक्के लगाकर 58 रन बनाए। 19वें ओवर में समीर रिजवी ने अर्शदीप सिंह के खिलाफ सिंगल लिया और 22 गेंद पर अपनी पहली

फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और 4 छक्के लगाए। दिल्ली ने 15वें ओवर में पांचवां विकेट गंवाया। ओवर की आखिरी बॉल हरप्रीत बरार ने यॉर्कर फेंकी, करुण नायर स्वीप शॉट खेलने गए, लेकिन बोल्ट हो गए। उन्होंने 44 रन बनाए।

करुण नायर और समीर रिजवी ने 14वें ओवर में चौथे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। दिल्ली ने 93 रन के स्कोर पर तीसरा विकेट गंवाया था। टीम ने 15वें ओवर में 150 रन भी पूरे कर लिए।

इंगलिश, स्टोइनिस की पंजाब किंग्स में वापसी, दिल्ली करेगी गेंदबाजी

नई दिल्ली, 24 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 66वें मैच में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पंजाब किंग्स के खिलाफ पहले



क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। जोश इंगलिस और मार्कस स्टोइनिस की पंजाब किंग्स के अंतिम एकादश में वापसी हुई है। सवाई मानसिंह स्टेडियम में ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी की वापसी का स्वागत करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा टीम लीग के अंतिम चरण में लय बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। हम यहां से लय बनाना चाहते हैं। प्रत्येक खिलाड़ी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इस बीच, दिल्ली के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने अपने सीजन के उतार-चढ़ाव को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, हम गेंदबाजी करेंगे। हम एक अतिरिक्त बल्लेबाज खेल रहे हैं। इससे लक्ष्य का पीछा करने में मदद मिलती है। हमने अच्छी शुरुआत की, फिर उतार-चढ़ाव भरे दौर से गुजरे। पंजाब की नजर शीर्ष दो में जगह बनाने पर है और दिल्ली पांचवें स्थान पर जगह बनाने की कोशिश कर रही है।

शुभमन गिल पंजाब से भारत टेस्ट टीम के तीसरे कप्तान बने

स्कूल की प्रिंसिपल बोली- शुभमन गिल 40 मिनट के पीरियड में आउट नहीं होता था

नई दिल्ली, 24 मई। पंजाब के फाजिल्का के शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान बनाए गए हैं। करीब 47 साल के बाद पंजाब के क्रिकेटर को ये कमान सौंपी गई है। 25 साल के शुभमन गिल जून में होने वाले इंग्लैंड दौरे में कप्तानी करेंगे। वे पंजाब से बनाए गए तीसरे कप्तान बने। उनसे पहले लाला अमरनाथ और बिशन सिंह बेदी टेस्ट में कप्तानी कर चुके हैं। गिल के कप्तान बनने के बाद उनके पैतृक गांव जैमल सिंह वाला और मोहाली के जिस स्कूल में पढ़े, वहां जश्न का माहौल है। गिल ने मोहाली के फेज-10 में स्थित क्रिकेट स्टेडियम से मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित मानव मंगल स्मार्ट स्कूल में दूसरी से लेकर दसवीं कक्षा तक पढ़ाई की।

प्रिंसिपल और शिक्षकों ने कहा कि चौथी कक्षा से गिल ने क्रिकेट खेलना शुरू किया। 40 मिनट का स्पोर्ट्स पीरियड होता था और इस दौरान वह आउट नहीं होता था। गिल के कोच ने कहा कि उसे क्रिकेट से बहुत लगाव है। वह कभी प्रैक्टिस से छुट्टी नहीं लेता था। प्रिंसिपल बोली- चौथी कक्षा से शुरू किया था क्रिकेट प्रिंसिपल कविता मलिक ने बताया कि शुभमन गिल चौथी कक्षा से ही क्रिकेट खेलने लगा था। 40 मिनट का स्पोर्ट्स पीरियड होता था और इस दौरान वह आउट नहीं होता था। उसका यही शौक आज उसे इंडिया टीम में कैप्टन के पद पर ले आया। जिस समय शुभमन गिल इंडिया टीम में सिलेक्टेड हुआ था, तब भी वह खुद और स्कूल स्टाफ उसके घर जाकर शुभकामनाएं देकर आए थे। अब इंडिया टीम का कप्तान बनने के बाद स्कूल के साथ इंडिया का नाम भी शुभमन गिल रोशन करेगा।

क्लास टीचर बोली- पढ़ाई में बहुत ही अच्छा रहा गिल शुभमन गिल की 10वीं कक्षा की टीचर शैलेंद्र कौर ने बताया कि वह पढ़ाई में बहुत ही अच्छा रहा और किसी भी तरह की कोई शरारत नहीं करता था। वह क्लास का होनहार स्टूडेंट था। शुभमन क्रिकेट के साथ-साथ पढ़ाई में पूरी मेहनत करता था। गिल ने आज पंजाब ही नहीं देश का नाम भी रोशन किया है। कोच बोले- गिल ने एक भी दिन छुट्टी नहीं की वहीं गिल के कोच दिनेश ने कहा कि वह उनके पास पीसीए स्टेडियम में अंडर-14 में खेलने के लिए आया था। वह बैटिंग सबसे ज्यादा करता था। उसमें क्रिकेट को लेकर काफी ज्यादा लगाव है। प्रैक्टिस के दौरान एक दिन भी छुट्टी नहीं की। रोजाना ग्राउंड पर आता था और पूरी प्रैक्टिस करता था।

शानदार तरीके से अभियान का समापन करने उतरेगी केकेआर और एसआरएच

नई दिल्ली, 24 मई। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) रविवार को यहां अरुण जेटली स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के अपने अंतिम ग्रुप स्टेज मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से भिड़ेगा। दोनो ही टीमे प्लेऑफ के लिए दावेदार नहीं हैं, जिससे मैच नंबर 68 प्रतियोगिता की लड़ाई बन गया है। हालांकि, दोनों फ्रेंचाइजी इस साल के टूर्नामेंट में विपरीत प्रदर्शन के बावजूद सकारात्मक प्रदर्शन के साथ अभियान को समाप्त करना चाहेंगी। सनराइजर्स हैदराबाद ने खराब शुरुआत के बावजूद अपने पिछले चार मैचों में से तीन में जीत के साथ शानदार प्रदर्शन किया है अपने पिछले मैच में, हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर 42 रनों की शानदार जीत दर्ज की, जिसमें ईशान किशन की 48 गेंदों पर 94 रनों की तूफानी

बीरेन्द्र लाकड़ा बने भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम में सहायक कोच

नई दिल्ली, 24 मई। पूर्व दिग्गज खिलाड़ी बीरेंद्र लाकड़ा को भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम में सहायक कोच के रूप में शामिल किया गया है। वह दिग्गज गोलकीपर और मौजूदा कोच पीआर श्रीजेश के साथ मिलकर काम करेंगे। 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाली एफआईएफ हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 से पहले लाकड़ा

की नियुक्ति महत्वपूर्ण है। लाकड़ा ने 2010 बीरेंद्र लाकड़ा को भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम में सहायक कोच के रूप में शामिल किया गया है। वह दिग्गज गोलकीपर और मौजूदा कोच पीआर श्रीजेश के साथ मिलकर काम करेंगे। 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाली एफआईएफ हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 से पहले लाकड़ा

की नियुक्ति महत्वपूर्ण है। लाकड़ा ने 2010 बीरेंद्र लाकड़ा को भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम में सहायक कोच के रूप में शामिल किया गया है। वह दिग्गज गोलकीपर और मौजूदा कोच पीआर श्रीजेश के साथ मिलकर काम करेंगे। 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाली एफआईएफ हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 से पहले लाकड़ा

अरावली क्रिकेट क्लब ने इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब को हराया

शोभित मिश्रा का नाबाद शतक

जयपुर, 24 मई | जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के नॉक आउट मुकाबले में आज के एल सैनी स्टेडियम पर दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में अरावली क्रिकेट क्लब ने इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब को 10 विकेट से हराकर सेमी फाइनल में प्रवेश किया।

इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गौरव तोड़ावत के 69 रन, क्षितिज शेखावत के 17 रन, हर्षित गौर के 17 रन जुनेद खान के 21 रन से 30.1 ओवर में 154 रनों पर सिम्ट गई। अरावली क्रिकेट क्लब के लिए हंसराज रोलानिया ने 44 रन 3, जुनेद अगवान ने 1 रन 3, देवेंद्र शर्मा ने 38 रन 2 विकेट लिए।



जवाबी पारी में अरावली क्रिकेट क्लब ने शोभित मिश्रा के 125 रन नाबाद (13 बॉल, 13 चौके व 10 छक्के) व आर्यन भारद्वाज के नाबाद 23 रनों से 15.2 ओवर रन से 30.1 ओवर में 154 रन बनाकर मैच जीत लिया। तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच स्टार क्रिकेट एकेडमी व यूनियन क्रिकेट क्लब के मध्य खेला जाएगा।

क्रिकेट मैच के दौरान मैदान में एसआई भर्ती रद्द करने के नारे लगे

प्रीति जिंटा ने दर्शकों पर फेंकी पंजाब किंग्स की टी-शर्ट

जयपुर, 24 मई। सवाई मानसिंह स्टेडियम में रोचक नजारा देखने को मिला जब हनुमान बेनीवाल के समर्थक एसआई भर्ती रद्द करने के नारे लगाने लगे। अचानक हुए इस घटनाक्रम से दर्शकों के साथ ही पुलिसकर्मी भी हतकत में आ गए और बड़ी मुश्किल से उन समर्थकों को शांत करवाया। पंजाब किंग्स के मालकिन प्रीति जिंटा पूरे समय मैदान के बाहर दर्शक दीर्घा में मौजूद थीं। उन्होंने दर्शकों की खूब होसला अफजाई की। कुछ मौका ऐसे आए जब उन्होंने पंजाब किंग्स की टी-शर्ट दर्शकों में फेंकी जिसको लेने को लेकर युवा वर्ग में खासा उत्साह नजर आया। पंजाब किंग्स ने इस बार अपना होम टाउंड जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को बना लिया था। इसको देखते हुए इस बार स्टेडियम का रंग रूप भी बदला बदला सा नजर आया। सभी जगह पंजाब किंग्स के बैनर और होडिंग नजर आ रहे थे। राजस्थान रॉयल्स इस मैच का हिस्सा नहीं था लेकिन फिर भी दर्शकों में काफी उत्साह था। हालांकि ईस्ट और वेस्ट के स्टैंड्स की काफी सीटें खाली पड़ी थी। मुकाबले में युवा और खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी पूरे समय मौजूद थे।

पाटीदार और कमिंस पर धीमी ओवर गति के लिए जर्माना

लखनऊ, 24 मई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार पर सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच में धीमी ओवर गति के लिये जर्माना लगाया गया है। शुरुआत रात भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी एकान क्रिकेट स्टेडियम के मैच नंबर 65 के दौरान हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी पर धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिये यह जर्माना लगाया गया है। आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित उनकी टीम का सीजन का दूसरा अपराध था, इसलिए पाटीदार पर 24 लाख रुपये का जर्माना लगाया गया। इम्पैक्ट प्लेयर समेत प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, का जर्माना लगाया गया। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पेट कमिंस पर उनकी टीम की धीमी ओवर गति के कारण जर्माना लगाया गया है।यह आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सीजन का पहला अपराध था।

जालोर के छह खिलाड़ी राष्ट्रीय सब जूनियर वुशू प्रतियोगिता के लिए हुए रवाना

जालोर, 24 मई। तमिनलाडू के नमक्कल जिले में आयोजित होने वाली 25वीं राष्ट्रीय सब जूनियर वुशू प्रतियोगिता के लिए जालोर के 6 खिलाड़ी शनिवार को रवाना हुए। भारतीय वुशू संघ के तत्वावधान में राष्ट्रीय प्रतियोगिता 26 से 31 मई तक केएसआर इंजीनियरिंग कॉलेज, नमक्कल जिले में आयोजित की जाएगी।जहां भारत के सभी राज्यों से चयनित वुशू खिलाड़ी भाग लेंगे। जिला वुशू संघ के महासचिव कन्हैयालाल मिश्रा व अध्यक्ष शिवदत्त आर्य ने बताया कि जालोर के मयंक भादुर बालकों के 24 किलो भारवर्ग में, रुद्राक्ष 36 किलो भारवर्ग में, प्रियांशु गृहलोट 39 किलो भारवर्ग में भाग लेंगे। वहीं बालिकाओं में काव्या गुप्ता 22 किलो, आराध्या सुदेशा 26 किलो व वैष्णवी सिंह 34 किलो भारवर्ग में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। गौरतलब है कि राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता में चयनित सभी खिलाड़ी आर्य वीर दल व वीर वीरमदेव स्पोर्ट्स एकेडमी में वुशू कोच देवेश आर्य व प्रिमत सिंह राठौड़ के सानिध्य में नियमित अभ्यास करते हैं।

एक-दो सीरीज के लिए कप्तान नहीं चुनते, हमें उम्मीद हमने सही खिलाड़ी को चुना : अगरकर

नई दिल्ली, 24 मई। अजीत अगरकर ने शनिवार को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। रोहित के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद शुभमन गिल टीम के नए कप्तान और ऋषभ पंत उप-कप्तान चुने गए हैं।

हेड क्वार्टर में टीम का चयन करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अगरकर ने रोहित शर्मा-विराट कोहली के संन्यास, मोहम्मद शमी की फिटनेस और जसप्रीत बुमराह के चयन को लेकर बात की।

हमने हर ऑप्शन पर चर्चा की शुभमन के कप्तान चुने जाने पर उन्होंने कहा, हमने हर ऑप्शन पर चर्चा की है। हमें उम्मीद है कि हमने सही खिलाड़ी को चुना है। वह एक शानदार खिलाड़ी हैं और



उन्हें शुभकामनाएं। उन्होंने आगे कहा, आप 1-2 सीरीज के लिए कप्तान नहीं चुनते हैं। आप ऐसी चीज में निवेश करना चाहते हैं जो हमें आगे बढ़ने में मदद करे। पिछले साल से हमने शुभमन को देखा है।

रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू, 52 व्यापारिक टीमों के होंगे मैच

उदयपुर, 24 मई। चैंबर ऑफ कॉमर्स, उदयपुर डिवीजन द्वारा शहर में आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का शनिवार को शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता 24 मई से 31 मई तक फोल्डक्लब मैदान पर होगी। जिसमें उदयपुर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों की कुल 52 टीमों भाग ले रही हैं।

क्रिकेट प्रतियोगिता संयोजक संजय भंडारी ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ अंतराष्ट्रीय अपायर रघुवीर सिंह राठौड़, चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी, राजपरिवार सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष पारस सिंघवी द्वारा गुब्बारे उड़ाकर किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरसिया, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मौणा, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, कांग्रेस जिलाध्यक्ष फतह सिंह राठौड़, चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष हिम्मत बड़ाला, महासचिव राजमल जैन सहित शहर के कई प्रतिष्ठित

हरियाणा ने कबड्डी में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में जीते स्वर्ण पदक

दौव, 23 मई। खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 शुरुआत को खेले गए कबड्डी फाइनल मुकाबलों हरियाणा की महिला और पुरुष वर्ग की टीमों ने स्वर्ण पदक जीते। आज सुबह घोषणा बीच पर खेले पुरुष वर्ग के फाइनल में हरियाणा के कप्तान मोनू हुड्डा मैच शाम 6 बजे टिंबर एंड प्लाईवुड मार्चेट वेलफेयर सोसाइटी बनाम सिंधी बाजार व्यापार मंडल के बीच खेला गया। दूसरा मैच 7 बजे सैनितरी डीलर्स एसोसिएशन बनाम होटल एसोसिएशन, तीसरा मैच 8 बजे उदयपुर स्टेजर्स एंड बुक सेलर्स एसोसिएशन बनाम उदयपुर कंप्यूटर ट्रेडर्स एसोसिएशन (बी) के बीच हुआ। 9 बजे उदयपुर इलेक्ट्रिकल एसोसिएशन बनाम होजरी एसोसिएशन, 10 बजे उदयपुर ऑटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन बनाम पारस आत्मीयजन, और अंतिम मैच रात 11 बजे न्यू उदयपुर मार्केट एसोसिएशन बनाम उदयपुर जिला केमिस्ट ऑर्गनाइजेशन के बीच खेला गया।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

लोकेन चौधरी, आदित्य भाट, आदित्य चौधरी की शानदार गेंदबाजी से भदौरिया एकेडमी की आसान जीत



जयपुर, 24 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वी नवीन नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज भदौरिया क्रिकेट ग्राउण्ड, सिरसी ग्राम, जयपुर पर खेले गये पूल बी के अन्तिम मैच में भदौरिया क्रिकेट एकेडमी के लोकेन्द्र चौधरी 4 ओवरों में 20 रन पर 3 विकेट, आदित्य भाट 35 रन पर 3 विकेट आदित्य चौधरी 4 ओवर में 1 मेडन 8 रन 2 विकेट निक्की चौहान 28 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दी न्यू जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर दी न्यू जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अजय शर्मा 44 रन आदित्य छावड़ा 26 रन लोकेश सैनी 15 रन की मदद से ऑलआउट होने से पूर्व 19 ओवर में 129 रन बनाए। भदौरिया क्रिकेट

सायबर ठगी में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस अनूप कुमार ढंड को एकलपीठ ने यह आदेश कल्याण मोटर्स की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता भूपेन्द्र पारीक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता वाहन बेचने और उनकी सर्विस करने वाली फर्म है। याचिकाकर्ता ने पिछले साल दो वाहनों की सर्विस की थी, जिसके बदले वाहन मालिक ने उसके खाते में 55,141 रुपए का भुगतान किया था। वहीं, गत जनवरी माह में बैंक ने पश्चिम बंगाल पुलिस की शिकायत पर उसके चालू खाते को यह कहते हुए फ्रीज कर दिया कि 55,141 रुपए की राशि साइबर ठगी से होते हुए पांचवें बैंक खाते से उसे मिली है। याचिका में कहा गया कि यह राशि उसे सर्विस के बदले अज्ञात व्यक्ति ने दी थी। उसे साइबर ठगी की कोई जानकारी भी नहीं है। वहीं, खाते में आई राशि को फ्रीज करने के बजाए पूरे बैंक खाते को ही फ्रीज करना गलत है। खाता फ्रीज करने के चलते वह अपने कर्मचारियों को वेतन सहित दैनिक खर्चों को नहीं कर पा रहा है और इससे उसका व्यापार पूरी तरह ठप हो गया है। ऐसे में बैंक प्रबंधन को निर्देश दिए जाएं कि वह उसका बैंक खाता डीफ्रीज करे। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ता का बैंक खाता डीफ्रीज करने के आदेश देते हुए, सिर्फ विवादित राशि ही फ्रीज करने को कहा है।

यू-ट्यूबर ज्योति की बांग्लादेश यात्रा पर जाँच एजेन्सियों की नजर

जांच का विषय है: किसके कहने से ज्योति बांग्लादेश गई तथा क्या वहाँ से भी दानिश के सम्पर्क में थी

हिसार, 24 मई। यूटचयूबर ज्योति को बीते दिनों पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। अब हरियाणा पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों ने ज्योति मल्होत्रा के बांग्लादेश दौरे को भी जांच के दायरे में ले लिया है। इन्वेस्टिगेशन एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक अब जांच एजेंसियां इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि ज्योति किसके कहने पर बांग्लादेश गई थी। क्या ज्योति के बांग्लादेश दौरे पर जाने के पीछे भी पाकिस्तानी दूतावास के अधिकारी दानिश की साजिश है? जांच एजेंसियां इस बात की भी तस्दीक करने में जुटी हैं कि ज्योति जब बांग्लादेश गई, तब क्या वो पाकिस्तानी दूतावास के अधिकारी दानिश के संपर्क में थी? क्या ज्योति ने बांग्लादेश से दानिश से बात की थी?

ज्योति के बांग्लादेश दौरे की खास बात ये है कि उसने बांग्लादेश की जिस ढाका यूनिवर्सिटी के वीडियो बनाए थे, उसी ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों से अपने

■ **ज्योति ने ढाका यूनिवर्सिटी के वीडियो बनाये थे जहाँ के छात्रों ने शेख हसीना की सरकार का तख्ता पलटने में बढ़-चढ़ कर भाग लिया था।**

वीडियो में ज्योति मल्होत्रा बात करते हुए भी नजर आ रही है। बता दें कि ज्योति साल 2024 के फरवरी महीने में बांग्लादेश गई थी और अगस्त 2024 में बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट हो गया था। बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार का तख्ता पलटने में ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था। दरअसल अब जांच एजेंसियां ज्योति से ये पता लगाने में जुटी हैं कि बांग्लादेश में हुए

तख्तापलट में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की क्या भूमिका थी और यूटचयूबर ज्योति मल्होत्रा को इस बारे में कुछ पता था ?

जस्टिस नागरत्ना सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की सदस्य बनेंगी

नई दिल्ली, 24 मई। भारत की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनने की दौड़ में शामिल न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना का न्यायमूर्ति अभय एस ओका की सेवानिवृत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट के कोलीजियम का सदस्य बनना तय हो गया है।देश की पांचवीं सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश होने के नाते, न्यायमूर्ति नागरत्ना 25 मई को आधिकारिक रूप से कोलीजियम में शामिल हो जाएंगी।

राहुल गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर सटीक निशाने साधकर हमले किए। इसके बाद पाकिस्तानी सेना ने स्थिति को और उग्र बनाते हुए नागरिक इलाकों और सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल हमले शुरू कर दिए। हालांकि भारतीय हवाई सुरक्षा प्रणालियों ने पाकिस्तानी हवाई हमलों को प्रभावी रूप से निष्क्रिय कर दिया, लेकिन पुंछ में पाकिस्तानी सैनिकों की सीमा पार से की गई गोलाबारी में कम से कम 13 निर्दोष नागरिक मारे गए और कई घर क्षतिग्रस्त हुए।

अपनी यात्रा के दौरान, राहुल गांधी ने उन परिवारों से मुलाकात की, जिन्होंने अपने प्रियजनों को इस गोलीबारी में खोया है।

उनके दौरे से पहले, कांग्रेस सांसद और जम्मू-कश्मीर मामलों के एआईसीसी महासचिव सैयद नसीर हुसैन ने कहा, “पाकिस्तान ने जिस तरह से नागरिकों पर हमला किया, उसमें 13 लोगों की मौत हुई और बहुत से लोग घायल हुए, काफी नुकसान हुआ है। इसी कारण राहुल गांधी आज यहां लोगों से मिलने आ रहे हैं। हम चाहते थे कि वे पहले ही आ जाते, लेकिन उन्हें अनुमति नहीं मिल रही थी।”

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए बर्बर आतंक हमले के बाद भी, राहुल गांधी मृतकों के परिजनों से मिले थे।

सवाई माधोपुर जिला परिवहन अधिकारी गिरफ्तार

जयपुर, 24 मई । एसीबी जयपुर ने 19 मई को सवाईमाधोपुर एसीबी प्रभारी सुरेन्द्र कुमार शर्मा एएसपी एवं दो दलालों को रिश्तत प्रकरण में गिरफ्तार किया गया था। इस प्रकरण में

नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए जिला परिवहन अधिकारी सवाईमाधोपुर पुन्याराम मीणा को सीबीआई फाटक जगतपुरा से दस्तयाब किया गया। अनुसंधान में, आरोपी की संलिप्तता

■ **एंटी करप्शन ब्यूरो के ए.एस.पी. सुरेन्द्र शर्मा के मामले में जाँच पड़ताल के बाद जिला परिवहन अधिकारी पुन्या राम मीणा को गिरफ्तार किया गया।**

कार्यवाही करते हुये, जिला परिवहन अधिकारी सवाईमाधोपुर आरोपी पुन्याराम मीणा को जांच पडताल के पश्चात गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि 19 मई को सवाईमाधोपुर एसीबी के पूर्व प्रभारी और एएसपी सुरेन्द्र कुमार शर्मा एवं दो दलालों को रिश्तत प्रकरण में गिरफ्तार किया गया था। जिसके अनुसरण में, परिवहन विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारी,कर्मचारियों की संलिप्तता की जांच की जा रही है।

जिस पर एसीबी के उपमहानिरीक्षक पुलिस राजेश सिंह के

के पुक्ता साक्ष्य पाये जाने पर उसे गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

गाँव को नगर पालिका की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता तमय ढंड ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने 24 मार्च, 2021 को एक अधिसूचना जारी कर तोड़िया का बास गांव को बानसूर नगर पालिका में शामिल किया था। वहीं, अब गत 27 मार्च को बिना कारण इस गांव को नगर पालिका की सीमा से बाहर कर दिया गया। याचिका में कहा गया कि किसी भी ग्राम को एक बार नगर पालिका की सीमा में शामिल करने के बाद उसे नगर पालिका की सीमा से अलग करने की शक्ति, नगर पालिका अधिनियम सहित, अन्य किसी कानून में नहीं है। ऐसे में तोड़िया का बास को बानसूर नगर पालिका से बाहर करने वाला राज्य सरकार का आदेश मनमाना और अवैध है। ऐसे में इस आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाकर उसे अवैध घोषित किया जाए।

थरूर विवाद पीछा नहीं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाहिर करने की शर्त पर, स्वीकार किया कि थरूर की गतिविधियों ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मोदी की छवि को चुनौती देने की कांग्रेस पार्टी की रणनीति को बाधित किया है, जबकि प्रधानमंत्री मोदी बिहार में “ऑपरेशन सिंदूर” को चुनावी अभियान के रूप में पेश करने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, “जब भाजपा राहुल गांधी का मजाक उड़ा रही है कि वह पहलगाम जैसे गंभीर मुद्दों पर केन्द्र से सवाल कर रहे हैं, ऐसे समय में थरूर का सरकार से मेल खाना सीधे तौर पर भाजपा को ही लाभ पहुँचाता है।”

यह विवाद ऐसे संवेदनशील समय पर खड़ा हुआ है, जब मोदी सरकार “ऑपरेशन सिंदूर” को बिहार में अपने चुनावी समीकरण मजबूत करने के लिए आक्रामक तरीके से प्रमोट कर रही है। जबकि विपक्ष भाजपा के ऊपर राष्ट्रीय सुरक्षा और शासन से जुड़े गंभीर सवालों

से बचने का आरोप लगा रहा है।

थरूर ने अब तक इस आंतरिक आलोचना पर कूटनीतिक चुप्पी बनाए रखी है। हालांकि, उनके करीबी सूत्रों का कहना है कि वे इस मिशन में अपनी भूमिका को गैर-राजनीतिक और देशहित से प्रेरित मानते हैं।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि यह प्रकरण कांग्रेस के भीतर एक गहरे वैचारिक और पीढ़ीगत अंतर को दर्शाता है। कुछ लोग थरूर की वैश्विक सोच और प्रभाव को पार्टी की ताकत मानते हैं, वहीं, अन्य इसे पार्टी की पारंपरिक संरचना के लिए चुनौती मानते हैं।

कांग्रेस पार्टी इस समय आंतरिक असंतोष और आक्रामक भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा रही है, ऐसे में देखना यह है कि वह किस तरीके से थरूर विवाद को सुलझाएगी, क्योंकि यह तरीका ही आगामी महीनों में पार्टी की एकता और उसकी सार्वजनिक छवि को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विश्वविद्यालय के पास मानव स्रोत सामग्री और नमूनों का एक अनमोल भंडार है, जिसे दशकों में संजोया गया है। यह भंडार कई बीमारियों और उनके इलाज पर क्रांतिकारी शोधों के लिए इस्तेमाल हुआ है।

इन नमूनों को लिक्विड नाइट्रोजन फ्रीजर्स में संरक्षित किया गया है और केवल इन्हें सुरक्षित रखने पर ही करोड़ों डॉलर खर्च होते हैं। अब अमेरिकी संघीय सरकार ने इन शोध परियोजनाओं की फंडिंग में कटौती की धमकी दी है, जिससे इन नमूनों को संरक्षित रखना कठिन हो जाएगा।

एक उदाहरण में, दशकों से हार्वर्ड के पब्लिक हेल्थ स्कूल में रक्त, मूत्र और डीएनए के नमूने एकत्र किए गए हैं। नर्सों और अन्य स्वयंसेवकों ने वर्षों तक अपने नमूने दिए हैं, और इस तरह का संग्रह दुनिया में और कहीं नहीं है।

अब इन सभी मानव नमूनों को खतरा है। एक अन्य परियोजना में, कैसर रोगियों से वर्षों तक ऐसे ही नमूने एकत्र किए गए हैं, जो दशकों और पीढ़ियों के दौरान शरीर की क्रियाविधियों की गहन जानकारी प्रदान करते हैं। इनसे रोगों के व्यवहार को समझने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

शोधकर्ता बताते हैं कि जहाँ पहले इन नमूनों से लाभ हुआ था, वहीं, अब नई तकनीकों, जैसे आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और उज्जत डेटा विश्लेषण विधियों से इनकी उपयोगिता और बढ़ गई है।

हेल्थ और मैडिकल स्टडीज़ के अलावा, अमेरिकी विश्वविद्यालयों ने भौतिक विज्ञान, रसायन और अन्य विषयों में दीर्घकालिक अनुसंधान परियोजनाएं चलाई हैं।

रिपोर्टों के अनुसार, आधुनिक विज्ञान अब “बड़ी परियोजना” बन

चुका है, जिसे केवल कलम और कागज़ से नहीं चलाया जा सकता। बुनियादी शोध अब अत्यधिक महंगा हो चुका है और इसे चलाने के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की आवश्यकता होती है। यदि संघीय सरकार द्वारा दी जाने वाली फंडिंग में कटौती की जाती है, तो इन शोध

परियोजनाओं को गंभीर नुकसान पहुँचेगा

संभावना है कि ये परियोजनाएं अब अन्य देशों और संस्थानों की ओर पलायन कर जाएँगीं। इससे अमेरिका की बुनियादी विज्ञान में गिरावट आना तय माना जा रहा है।

सेवारत कोटे से पीजी करने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आर्वटित हुआ। इसमें याचिकाकर्ता दिसंबर 2023 से ही पोस्ट एमबीबीएस डिप्लोमा शिशु रोग की ट्रेनिंग कर रहा है। इसकी सूचना उसने 2 जनवरी 2024 को ही कार्यकारी निदेशक, नेशनल बोर्ड ऑफ एजाम मेडिकल साइंस को दे दी थी, लेकिन 4 मार्च 2025 को उसे एक मैसेज मिला कि उसे वेबसाइट पर पीजी जॉइनिंग अपडेट करनी है। उसने उसी दिन अपनी ज्वाइनिंग को अपडेट करने की प्रक्रिया की, लेकिन प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। कई बार प्रयास करने के बाद भी बिना किसी कारण उसका रजिस्ट्रेशन नहीं किया गया। इससे वह फाइनल एजाम का फॉर्म भरने से भी वंचित हो रहा है। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने हिस्से का पूर्ण जल प्राप्त हो सके। साथ ही, उन्होंने 51.5 किलोमीटर लंबी फिरोजपुर फीडर की लाइनिंग हेतु स्वीकृति शीघ्र प्रदान करने का भी आग्रह किया।

शर्मा ने आग्रह किया कि कालीसिंध और छबड़ा धर्मल परियोजनाओं में अतिरिक्त इकाइयों एवं 3200 मेगावाट की नई धर्मल इकाई की पिट हेड से 500 किलोमीटर से अधिक दूरी होने के कारण राज्य में स्थापना हेतु शिथिलन प्रदान की जाए। साथ ही, उन्होंने साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड से दिए जा रहे 20 लाख मीट्रिक टन कोयले को नॉर्डन कोलफील्ड से उपलब्ध करवाने का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने राज्य में ऊर्जा सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए केन्द्र सरकार से आग्रह किया कि पीएम कुसुम योजना के कंपोनेंट-ए के तहत राज्य

को 5000 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन तथा बैट्री स्टोरेज के लिए 5000 मेगावाट आवर का अतिरिक्त लक्ष्य आर्वटित किया जाए। साथ ही, उन्होंने राजस्थान को आर्वटित 115 गीगावाट बिजली उत्पादन के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु 40 गीगावाट अतिरिक्त ऊर्जा के इवेक्युएशन हेतु प्लान तत्काल बनाने का अनुरोध किया।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व से हमें गहरी प्रेरणा मिली है तथा राज्य स्तर पर हम राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी सभी पहलों को पूरा समर्थन देने के लिए और भी अधिक दृढ़ संकल्पित हुए हैं। शर्मा ने कहा कि दो दिन पहले 22 मई को प्रधानमंत्री के सीमावर्ती बीकानेर जिले में संबोधन के समय जनसाधारण में जो अद्भुत उत्साह एवं राष्ट्रभक्ति का जज्बा देखने को मिला, वैसा भावुक दृश्य मैंने अपने जीवन में कभी नहीं देखा। ये जनता का प्रधानमंत्री के प्रति अटूट विश्वास दर्शाता है।

हमारी सबसे बड़ी खूबी है मन की शांति

मारुति सुज़ुकी एरीना रेंज[#] में 6 एयरबैग्स स्टैंडर्ड हैं

6 एयरबैग्स स्टैंडर्ड के साथ

6 Airbags | ESP® | ABS with EBD | Hill Hold Control* | Reverse Parking Sensors

3-Point ELR Seat Belts | Seat Belt Reminder | 3 Years or 100 000 km Warranty**

विशेष ऑफर

WAGONR ₹68 100* / ALTO K10 ₹68 100* / BREZZA ₹42 000*

SWIFT ₹53 100* / CELERIO ₹68 100* / EECO ₹43 100*

SCAN TO CONNECT TO SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM

Contact us at **1800-102-1800**

T&C apply. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers may vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. *Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on select models/variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on select models. *Except Ertiga & Spresso. ESP is the registered trademark of Mercedes-Benz Group AG. **3 years or 100 000 km whichever is earlier. Above offers are valid till 31st May 2025. *Hill hold control feature available in select variants and models only.